राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 29 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–185 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई में 25-26 अगस्त को होगी इंडियन नेशनल डेवलेपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस की तीसरी बैठक

पहली बार विरोधी पार्टी के गढ़ में मिलेंगे 26 दल, उद्धव-शरद गुट होस्ट करेंगे

नई दिल्ली। इंडियन नेशनल डेवलेपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस नाम से बने नए विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक 25 से 26 अगस्त के बीच मुंबई में होगी। इस मीटिंग की मेजबानी शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद गुट) मिलकर करेंगे।

नया गठबंधन बनने के बाद यह पहला मौका है, जब सभी 26 विपक्षी दल किसी ऐसे राज्य में मीटिंग करेंगे जहां उनका कोई सदस्य सत्ता में नहीं है। दरअसल महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) - एनसीपी (अजित गुट) की सरकार है। इनमें से कोई भी INDIA का हिस्सा नहीं है।

पहली मीटिंग बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू द्वारा 23 जून को पटना में आयोजित की गई थी। दूसरी बैठक बेंगलुरु में 18-19 जुलाई को आयोजित की गई थी और इसकी मेजबानी कांग्रेस ने की थी।

मुंबई में होने वाली तीसरी बैठक में विपक्ष के 3 एजेंडे...

सीट बंटवारे को लेकर चर्चा, 11 सदस्यीय कोऑर्डिनेशन कमेटी

मुंबई में होने वाली तीसरी मीटिंग में सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा होनी है। इसमें 11 सदस्यीय कोऑर्डिनेशन कमेटी को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। जिसमें कांग्रेस, TMC, DMK, आप, JDU, RJD, शिवसेना (यूबीटी), NCP, झारखंड मुक्ति मोर्चा, समाजवादी पार्टी और CPI से एक-एक सदस्य होंगे। गठबंधन में शामिल अन्य छोटे दलों को समिति में जगह नहीं मिलेगी।

एक संयुक्त सचिवालय की घोषणा

2024 लोकसभा चुनावों को देखते हुए संयुक्त विरोध प्रदर्शनों और रैलियों को आयोजित करने के एक अन्य पैनल की घोषणा करने की भी संभावना है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी दलों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए एक संयुक्त सचिवालय की भी जल्द घोषणा की जाएगी।

राज्यों में आपसी मतभेद को दूर करना होगा

बैठक के दौरान सभी पार्टियों के आपसी मतभेद को दूर किया जाएगा। खासकर उन राज्यों में जहां वे सीधे चुनावी लड़ाई में हैं। केरल में कांग्रेस और लेफ्ट, पश्चिम बंगाल में लेफ्ट और टीएमसी, पंजाब और दिल्ली में AAP और कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस एक-दूसरे के धुर-विरोधी हैं। ऐसे में इस मसलों को सुलझाना होगा।

ये दल हैं INDIA का हिस्सा

INDIA गठबंधन में 26 दल शामिल हैं। इसमें कांग्रेस, TMC, DMK, आप, JDU, RJD, JMM, NCP (शरद गुट), शिवसेना (उद्धव गुट), SP, एनसी, PDP, CPM, CPI, RLD, MDMK, केएमडीके, वीसीके, आरएसपी, सीपीआई-एमएल (लिबरेशन), फॉरवर्ड ब्लॉक, आईयूएमएल, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि), अपना दल (कामेरावादी) और एमएमके शामिल हैं।

INDIA के 26 दलों के खिलाफ NDA की 38 पार्टियां

एक तरफ जहां 18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्ष के 26 दल इकठ्ठा हुए थे। वहीं उसी दिन दिल्ली में NDA की मीटिंग हुई थी। NDA के 25 साल और केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर यह बैठक बुलाई गई थी। इसमें 2024 लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से NDA गठबंधन की सरकार बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। NDA का गठन मई 1998 में हुआ था, तब इसके संयोजक जॉर्ज फर्नांडिस थे।

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे शिवसेना की ओर से और NCP के बागी गुट के नेता अजित पवार-प्रफुल्ल पटेल पहली बार बैठक में शामिल हुए। प्रफुल्ल पटेल पटना में हुई विपक्ष की पहली बैठक में भी शामिल हुए थे। शिंदे उद्धव ठाकरे से बगावत के बाद NDA में शामिल हुए हैं।

बिहार विरासत विकास समिति 31 जुलाई को उदयपुर में

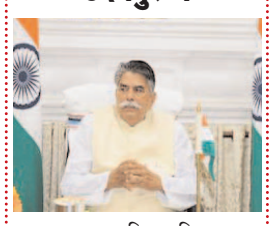

उदयपुर। बिहार विधानसभा की बिहार विरासत विकास समिति 31 जुलाई को सड़क मार्ग से उदयपुर पहुंचेगी। इस समिति में सभापति, सदस्य एवं अधिकारियों सहित कुल 12 सदस्य शामिल है। यह समिति 1 अगस्त को यहां विभिन्न स्थलों का भ्रमण करने के पश्चात शाम को माउंट आबू के लिए प्रस्थान कर जाएंगी।

दिल्ली वाला विधेयक अगले सप्ताह संसद में होगा पेश, NDA बनाम INDIA में दंगल के पूरे आसार

नई दिल्ली। दिल्ली की शासन व्यवस्था से जुड़ा विधेयक अगले सप्ताह संसद में पेश होगा। केंद्रीय मंत्री मुरलीधरण ने राज्यसभा में इसकी जानकारी दी है। दिल्ली में सेवाओं पर अधिकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि राज्यपाल सरकार की सलाह से ही फैसले ले सकते हैं। इस पर केंद्र सरकार अध्यादेश ले आई थी। अब उसे ही मंजूरी दिलाने के लिए विधेयक लाया जा रहा है। इस विधेयक को लेकर 26 दलों वाले INDIA गठबंधन ने आम आदमी पार्टी के समर्थन का ऐलान किया है।

जम्मू आधार शिविर से 2155 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू। 'बम बम भोले' के जयकारों के बीच 2155 तीर्थयात्रियों का नया जत्था शुक्रवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि ये तीर्थयात्री 95 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। इनमें 1402 तीर्थयात्रियों (1128 पुरुष, 228 महिलाएं, 34 साधु और 12 साध्वियां) का समूह 58 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ।

जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रिस्तरीय बैठक को पीएम मोदी ने किया संबोधित

प्रोजेक्ट टाइगर पर कहीं ये बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत ने हाल ही में हमारे ग्रह पर 7 बिग कैट एलायंस के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस लॉन्च किया है। यह एक अग्रणी संरक्षण पहल, प्रोजेक्ट टाइगर से मिली हमारी सीख पर आधारित है। प्रोजेक्ट टाइगर के परिणामस्वरूप, दुनिया के 70त्न बाघ भारत में पाए जाते हैं। हम प्रोजेक्ट लायन और प्रोजेक्ट डॉल्फिन पर भी काम कर रहे हैं।

भारत इस मामले में दुनिया के शीर्ष 5 देशों में से एक

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया के शीर्ष 5 देशों में से एक है। हम अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, सीडीआरआई और उद्योग परिवर्तन के लिए नेतृत्व समूह सहित अपने गठबंधन के माध्यम से अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे। भारत जैव विविधता संरक्षण, संरक्षण और संवर्धन पर काम करने में लगातार अग्रणी रहा है।

यूपी में बिजली की हर यूनिट एक रुपये तक होगी महंगी!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली के दाम 28 पैसे से लेकर 1.09 प्रति यूनिट के हिसाब से बढ़ाए जा सकते हैं. इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन अब उपभोक्ताओं पर ईंधन अधिभार यानी कि फ्यूल सरचार्ज लगाने की तैयारी की जा रही है, जिसके लिए नियामक आयोग ने प्रस्ताव दिया है. इसके तहत 28 पैसे से लेकर 1.09 रुपए प्रति यूनिट बिजली महंगी हो जाएगी. इसके अलावा कॉर्पोरेशन ने उपभोक्ताओं से 1437 करोड़ की वसूली करने की बात भी कही है, जिसके लिए 61 पैसे प्रति यूनिट के आधार पर अलग-अलग श्रेणी में औसत बिलिंग की दर तैयार की है. अगर कॉरपोरेशन की दर को नियामक आयोग मान लेता है तो 28 पैसे प्रति यूनिट से लेकर 1.09 प्रति मीटर बिजली महंगी हो जाएगी.

प्रस्ताव को नहीं होने देंगे लागू-परिषद

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद का मानना है कि किसी भी कीमत पर इस प्रस्ताव को लागू नहीं होने दिया जाएगा. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के मुताबिक पावर कॉरपोरेशन के इस प्रस्ताव को लागू नहीं होने दिया जाएगा क्योंकि विद्युत निगम पर पहले से ही करीबन 3122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है. अगर यह फॉर्मूला अपनाया जाता तो उपभोक्ताओं को 30 पैसे प्रति यूनिट का फायदा मिलता है. नियामक आयोग ने जून 2020 में बने कानून की तरह फॉर्मूला नहीं अपनाया. ऐसे में सरचार्ज पर लगाने का प्रस्ताव तत्काल से खारिज किया जाए.

किसके लिए कितनी महंगी होगी बिजली-फ्यूल सरचार्ज के बाद घरेलू बीपीएल के लिए 28 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, घरेलू सामान्य के लिए 44 से 56 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, कमर्शियल के लिए 49 से 87 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, किसान के लिए 19 से 52 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी, नॉन इंस्ट्री ब्लैकलोड के लिए ?76 7.0 प्रति यूनिट की बढ़ोतरी और भारी उद्योग के लिए 54 से 64 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की जा सकती है.

राजस्थान के ओलंपिक खेलों की चर्चा देश-विदेश तक-चांदना

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर शुरु किए गए ओलंपिक खेलों की देश विदेश तक होने लगी है और इस बार आगामी पांच अगस्त से शुरु होने वाले राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों में करीब साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग ले रहे है जो दुनियां के सामने एक नई मिशाल कायम होगी।

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि इन खेलों की चर्चा देश-विदेश तक है और इन खेलों का भव्य आयोजन किया जायेगा जिसकी पूरी तैयारियां की गई है। उन्होंने बताया कि इस बार ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन एक साथ कराया जा रहा है और इसमें लगभग साढ़े अठावन लाख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार ने भरपूर संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यह इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है जो दुनिया के सामने एक नई मिशाल पेश करेगा। श्री चांदना गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से खेल आयोजन से जुड़े राज्यभर के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का इस पूरे कार्यकाल के दौरान सबसे ज्यादा फोकस युवाओं और खेल पर रहा है। उनकी सोच है कि प्रदेश के लोग खेलों से जुड़ें और खेल मैदान तक पहुंचे ताकि हम फिट राजस्थान, हिट राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के साथ प्रदेश में खेलों को लेकर उत्साही माहौल बना सकें। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेशवासियों के स्वस्थ रहने के साथ ही युवा खेलों में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक पदक जीत सकेंगे। चांदना ने कहा कि इन खेलों के पहले संस्करण का हम पिछले साल सफलतापूर्वक आयोजन करवा चुके हैं, जिसकी देश-दुनिया में सराहना मिली और कई राज्यों ने ऐसा आयोजन करने की पहल की है। छत्तीसगढ़ में गत दिनों इसी प्रकार का आयोजन शुरू हुआ है, जो हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन खेलों के दूसरे संस्करण को पहले से भी ज्यादा व्यापक और भव्य रुप में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पिछले आयोजन के मुकाबले इस बार प्रतिभागियों का पंजीयन ज्यादा हुआ है वहीं शहरी ओलंपिक खेल पहली बार जोड़े गए हैं।

फातिमा बन सबको भूल गई अंजू, पिता की भावुक अपील पर नहीं पसीजा दिल; मैसेज देखकर छोड़ा

ग्वालियर। राजस्थान के भिवाड़ी से पाकिस्तान जाकर फातिमा बन गई अंजू से उसके पिता ने एक बार फिर संपर्क साधने की कोशिश की है। ग्वालियर में रहने वाले अंजू के पिता गया प्रसाद थॉमस ने बेटी को वॉयस मैसेज भेजा है। अंजू हमारे लिए मर चुकी है, कह देने वाले पिता ने बेटी से आखिरी बार बात करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने अंजू को वॉयस मैसेज भेजकर संपर्क साधने को कहा है। हालांकि, फातिमा बनकर पाकिस्तान के नसरुल्ला से कथित तौर पर निकाह कर लेने वाली अंजू ने परिवार से संपर्क तोड़ लिया है।

वॉयस मैसेज में गया प्रसाद ने कहा, अंजू मेरे से बात करो। हैलो अंजू एक बार मुझसे संपर्क करो। मैं बात करना चहता हूं तुमसे। आखिरी बार बात करना चाहता हूं। मैसेज भेजने के कई घंटे बाद तक अंजू ने पिता को कोई जवाब नहीं दिया है। गया प्रसाद ने भी इस बात का खुलासा नहीं किया है कि वह बेटी से आखिरी बार क्या बात करना चाहते हैं। ऐसा क्या संदेश है जो वह अंजू को देना चाहते हैं।

इससे पहले गया प्रसाद ने अंजू की करतूत को शर्मनाक बताते हुए कहा था कि वह उनके लिए मर चुकी है। मीडिया के सामने अंजू से हर रिश्ता तोड़ने का ऐलान कर चुके थॉमस ने कहा था कि आखिर वह ऐसी बेटी के पिता बने ही क्यों? उन्होंने इस बात पर दुख जाहिर किया था कि अंजू ने परिवार को धोखा दिया और बच्चों को छोड़कर चली गई। अंजू की बात करते हुए हर बार उनकी आंखें नम हो जाती हैं। उधर, भिवाड़ी में मौजूद अंजू के पति अरविंद भी कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अंजू वापस आती है तो वह उसे स्वीकार नहीं करेंगे और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे।

गौरतलब है कि यूपी में पैदा हुई अंजू अपने पति और दो बच्चों के साथ राजस्थान के भिवाड़ी में रहती थी। फेसबुक के जरिए उसकी दोस्ती पाकिस्तान के नसरुल्ला से हो गई। पिछले दिनों अंजू पाकिस्तान का वीजा लेकर चुपचाप नसरुल्ला के पास चली गई। पाकिस्तानी मीडिया में पुलिस अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि अंजू ने इस्लाम अपना लिया है और अपना नाम फातिमा कर लिया है। नसरुल्ला से निकाह की बात भी सामने आई है।

पाकिस्तान जाकर फातिमा बन गई अंजू से उसके पिता ने एक बार फिर संपर्क साधने की कोशिश की है। ग्वालियर में रहने वाले अंजू के पिता गया प्रसाद थॉमस ने बेटी को वॉयस मैसेज भेजा है।

मणिपुर यौन उत्पीड़न मामले में शुक्रवार को सुनवाई नहीं

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के शुक्रवार को उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष होने वाली मणिपुर यौन हिंसा समेत अन्य मामलों की सुनवाई टाल दी गई।

शीर्ष अदालत की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई।

केंद्र सरकार ने मणिपुर में जारी हिंसा के मामले में गुरुवार को अपना जवाब दाखिल किया था। शुक्रवार को उससे संबंधित मामले में सुनवाई होनी थी।

केंद्र ने मणिपुर में दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न और हिंसा घटनाओं को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने के फैसले से गुरुवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराते हुए इस मामले की सुनवाई राज्य से बाहर छह महीने के भीतर करने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने शीर्ष अदालत के समक्ष तय सुनवाई से एक दिन पहले गुरुवार को दायर एक हलफनामे यह भी कहा है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के सामने आने के बाद लगातार मामले की निगरानी की जा रही है।

केंद्र सरकार ने अदालत के समक्ष कहा है कि उसका दृष्टिकोण महिलाओं के खिलाफ किसी भी स्तर के अपराध को बर्दाश्त नहीं करने की रही है। वह वर्तमान घटना को भी बहुत जघन्य मानती है। वह मानती है कि इस मामले को न केवल गंभीरता से लिया जाना चाहिए बल्कि समय पर तरीके से न्याय भी होना चाहिए, ताकि इसका असर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के संबंध में पूरे देश में निवारक प्रभाव पड़े।

केंद्र सरकार ने इन दलीलों के साथ शीर्ष अदालत से मामले की सुनवाई मणिपुर से बाहर स्थानांतरित करने करने की गुहार लगाते हुए कहा कि आरोप पत्र दाखिल होने के छह महीने के भीतर समयबद्ध तरीके से सुनवाई पूरी की जानी चाहिए।

केंद्र सरकार ने अदालत के समक्ष कहा है कि उसका दृष्टिकोण महिलाओं के खिलाफ किसी भी स्तर के अपराध को बर्दाश्त नहीं करने की रही है। वह वर्तमान घटना को भी बहुत जघन्य मानती है।

केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा कि वह उससे अनुरोध करती है कि विचाराधीन अपराध के मुकदमे सहित पूरे मामले को मणिपुर है से बाहर किसी भी राज्य में स्थानांतरित करने का आदेश दे।

मणिपुर की महिलाओं से जुड़ी भयावह घटना का वायरल वीडियो सामने आने के बाद शीर्ष अदालत ने पिछले हफ्ते अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से कहा था कि यह अदालत 'बेहद से परेशान' है। इसने केंद्र और मणिपुर सरकार से यह भी कहा था कि या तो अपराधियों को पकड़ें अन्यथा न्यायपालिका कार्रवाई करेगी।

श्री भल्ला ने लिखित जवाब में कहा है कि मणिपुर सरकार ने 26 जुलाई 2023 को सचिव, डीओपीएंडटी को मामले को आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की है, जिसे गृह मंत्रालय ने 27 जुलाई के पत्र के माध्यम से सचिव, डीओपीएंडटी को विधिवत सिफारिश की है। इस प्रकार जांच सीबीआई को सौंप दी जाएगी। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि उपचारात्मक उपायों के रूप में राज्य सरकार ने 18 मई और 5 जुलाई 2023 को अपने आदेश के माध्यम से विभिन्न राहत शिविरों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मदद के लिए जिला मनोवैज्ञानिक सहायता टीमों का गठन किया है। हलफनामे में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक रैंक का एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की सीधी निगरानी में आपराधिक मामलों की जांचों की निगरानी की जाएगी।

हलफनामे में यह भी कहा गया है कि आपराधिक घटनाओं की रिपोर्ट करने और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जानकारी प्रदान करने के लिए उचित इनाम भी दिया जाएगा।

आपराधिक मामलों की रोकथाम और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वह (मौजूदा कंपनियों के अलावा) 3 मई 2023 से सीएपीएफएस की अतिरिक्त कंपनियां प्रदान कर रहा है।

केंद्र ने अदालत को बताया है कि ÷स्थानीय पुलिस के अलावा सीएपीएफएस की 124 अतिरिक्त कंपनियां और सेना/असम राइफल्स की 185 टुकड़ियां मणिपुर में तैनात हैं। सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता में सभी सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन के प्रतिनिधित्व वाली एक एकीकृत कमान स्थापित की गई है। भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए नागरिक प्रशासन के सहयोग से खुफिया जानकारी जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

कार्रवाई की जानकारी देते हुए केंद्र सरकार ने अदालत को बताया है कि कर्फ्यू, अन्य कानूनों आदि का उल्लंघन करने के लिए 13,782 लोगों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है।

वंदे भारत पर करम साधारण ट्रेन्स पर सितम ?

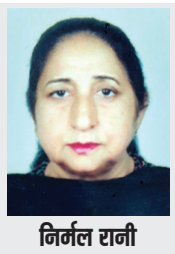

निर्मल रानी

गोया एक तरफ तो सरकार विशिष्ट ट्रेन्स में यात्रियों को चलने के लिये उनकी चिरौरी कर रही है उन्हें लुभाने के लिये 25 प्रतिशत तक किराया कम कर रही है तो दूसरी तरफ यही जनविरोधी सरकार कोरोना काल में पैसेंजर ट्रेन का नाम एक्सप्रेस कर देने के बहाने टिकटों में जो तीन गुना बढ़ोतरी की गयी थी उसे भी नहीं घटा रही। उदाहरण के तौर पर अंबाला शहर से अंबाला छावनी का पैसेंजर ट्रेन का किराया जो मात्र दस रुपए होता था था वह कोरोना के समय से ही तीस रुपए वसूला जा रहा है। क्या सरकार को उन साधारण यात्रियों की जेब की फिक्र नहीं जो अपनी रोजी रोटी के लिये रोजाना इन गाड़ियों से सफर करते हैं ?

बहुप्रचारित सेमी तीव्र गामी ट्रेन वंदे भारत लगता है रेल मंत्रालय के लिये सफेद हाथी जैसा साबित हो रहा है। अब तक चलने वाली लगभग सभी क्षेत्रों की सभी वंदे भारत ट्रेन्स को स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झंडी दिखाकर रवाना कर इस ट्रेन के बारे में मीडिया व मंहगे विज्ञापनों के माध्यम से कुछ ऐसा ढिंढोरा पीटा था गोया तीव्रगामी बुलेट ट्रेन ने ही वंदे भारत के रूप में अवतार ले लिया है। इस सेमी बुलेट ट्रेन, वंदे भारत को ट्रेन-18 के रूप में विकसित किया गया है। परन्तु अपने परिचालन की शुरूआत से ही वंदे भारत को लेकर अनेक नकारात्मक खबरें आती रही हैं। यहां तक कि इस तीव्र रेल की प्रसिद्धि दुर्घटनाओं के लिये ज्यादा है,विशेषताओं के लिये कम। कभी वंदे भारत एक्सप्रेस की गुजरात में उदवाडा और वापी स्टेशनों के बीच पड़ने वाले क्रॉसिंग गेट नंबर 87 के पास दुर्घटना का समाचार मिला तो कभी मुंबई-गांधीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सामने एक गाय की टक्कर हो जाने से ट्रेन का आगे का हिस्सा टूट गया। इसके बाद 7 अक्टूबर 2022 को वंदे भारत एक्सप्रेस गुजरात के आणंद में गाय से टकरा गई थी। यह हादसा वडोदरा मंडल के आणंद के समीप हुआ था। उस समय रेल प्रशासन ने कहा था रेलवे के ट्रैक पर गाय के झुंड के आ जाने से यह हादसा हुआ। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने वंदे भारत एक्सप्रेस के पूरे रूट में कंटीले तार लगाने का निर्देश दिया था ताकि जानवर रेलवे ट्रैक पर नहीं आ पाए। गुजरात में ही 6 अक्टूबर 2022 को मुंबई से अहमदाबाद जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की भैंसों के एक झुंड से भीषण टक्कर हो गई थी। यह हादसा वटवा और मणिनगर स्टेशन के बीच हुआ था। भैंसों के झुंड से हुई इस टक्कर में कई भैंसों की मौत तो हुई ही थी, ट्रेन का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में गत वर्ष आठ अक्टूबर को अचानक तकनीकी गड़बड़ी आ गयी और ट्रेन के पहिए ही जाम हो गए थे। इस कारण ट्रेन करीब पांच घंटे खुर्जा स्टेशन पर रुकी रही। चूँकि खुर्जा स्टेशन पर उसकी मुरम्मत संभव नहीं थी इसलिये इसके यात्रियों को शताब्दी एक्सप्रेस से उनके गंतव्य तक पहुंचाया

गया जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यहाँ तक कि पिछले दिनों दिल्ली से भोपाल जा रही वंदे भारत ट्रेन जोकि रानी कमलापति स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन के लिए रवाना हुई थी उसकी सी-14 बोगी में कुरवाई स्टेशन के पास बैट्री से आग लग गई। शुक्र है कि यात्रियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ऐसे और भी कई हादसों से वन्दे भारत दोचार होती रही है। इसके परिचालन के उद्घाटन में प्रधानमंत्री का सीधा दखल,इसके उद्घाटनों पर होने वाली बेतहाशा पब्लिसिटी और स्टेशंस की सजावट पर लुटाया जाने वाला जनता का टैक्स का पैसा देखकर ही जब भी यह ट्रेन दुर्घटनाओं या अन्य किसी फाल्ट के चलते खबरों की सुर्खियां बनती है तो उस समय सोशल मीडिया पर वंदे भारत ट्रेन की खूब फजीहत होती है।

बहरहाल इतनी ढोल पीटकर चलाई जाने वाली यही वन्दे भारत अपने शुरूआती दौर से ही रेल के लिए एक सफेद हाथी साबित हो रही है। इसका अत्याधिक किराया होने व अन्य सुपर फास्ट ट्रेन्स की तुलना में गंतव्य तक पहुँचने के अंतराल में कोई विशेष फर्क न होने के चलते आम यात्री इसपर यात्रा करना पसंद नहीं कर रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में चलने वाली वंदेभारत रेल गाड़ियों में 50 प्रतिशत से लेकर 21 प्रतिशत तक ही सवारियां मिल पा रही हैं जिससे रेल विभाग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसीलिए यात्रियों को इन ट्रेन्स में यात्रा हेतु आकर्षित करने के लिये रेल मंत्रालय ने वंदे भारत समेत अन्य कई महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों का किराया घटाने का फैसला किया है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार रेलवे बोर्ड वन्दे भारत सहित अनेक ट्रेन्स के अउ चेयर कार और एक्जीक्युटिव क्लास के किराए में 25% तक की कटौती करने की योजना बना रहा है। लेकिन अतिरिक्त शुल्क जैसे रिजर्वेशन चार्ज, सुपर फास्ट सरचार्ज, जीएसटी अलग से लगाया जाएगा। हालांकि यह सुविधा केवल उन ट्रेन्स में ही दी जायेंगी, जिन में पिछले 30 दिनों के दौरान केवल 50% सीटें ही भर पाई थीं। रेल मंत्रालय के अनुसार पहले से बुक टिकटों पर यात्रियों को किराए का कोई रिफंड नहीं मिलेगा। इसके अलावा हॉलीडे और फेस्टिवल स्पेशल जैसी ट्रेनों में यह योजना लागू होगी।

गोया एक तरफ तो सरकार विशिष्ट ट्रेन्स में यात्रियों को चलने के लिये उनकी चिरौरी कर रही है उन्हें लुभाने के लिये 25 प्रतिशत तक किराया कम कर रही है तो दूसरी तरफ यही जनविरोधी सरकार कोरोना काल में पैसेंजर ट्रेन का नाम एक्सप्रेस कर देने के बहाने टिकटों में जो तीन गुना बढ़ोतरी की गयी थी उसे भी नहीं घटा रही। उदाहरण के तौर पर अंबाला शहर से अंबाला छावनी का पैसेंजर ट्रेन का किराया जो मात्र दस रुपए होता था था वह कोरोना के समय से ही तीस रुपए वसूला जा रहा है। क्या सरकार को उन साधारण यात्रियों की जेब की फिक्र नहीं जो अपनी रोजी रोटी के लिये रोजाना इन गाड़ियों से सफर करते हैं ? इसी तरह कोरोना काल में ही वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट इसी निर्दयी सरकार ने समाप्त कर दी थी। वह भी आज तक बहाल न हुई। केवल साधारण कोच का नाम सामान्य कोच से बदलकर दीन दयालु कोच रख देने या उसका भगवा रंग करवा देने से यात्रियों को राहत नहीं मिलने वाली। सरकार को तो स्वयं सोचना चाहिये कि अपनी गलत नीतियों के चलते देश की जिस जनता को उसने राशन तक का मोहताज बना दिया है, उस पर ट्रेन का तीन गुना अधिक किराया भरते वक़्त क्या गुजरती होगी? 25 प्रतिशत किराया कम कर वंदे भारत के यात्रियों पर करम और साधारण सवारी ट्रेन्स के यात्रियों से तीन गुना ज्यादा रकम वसूल कर उनपर किये जा रहे सरकारी सितम से तो यही जाहिर होता है कि वरिष्ठ, साधारण व गरीब नागरिकों को राहत देने में सरकार की कोई दिलचस्पी ही नहीं है।

संपादकीय

विमर्श है जरूरी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के खिलाफ कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। सदन में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जिसका इंडिया गठबंधन के दलों ने समर्थन किया है। ऐसा माना जा रहा है कि इस पर अगले सप्ताह चर्चा और वोटिंग होगी। मणिपुर हिंसा को लेकर मॉनसून सत्र के पहले दिन से संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। लोकतंत्र में विपक्ष को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का अधिकार है लेकिन यह भी गौर करने वाली बात है कि सरकार मणिपुर पर विस्तृत और व्यापक तौर पर चर्चा के लिए तैयार थी। गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य सभा में प्रतिपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोक सभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। विपक्ष का यह रुोख भी संसदीय परंपरा का उल्लंघन करनै जैसा ही है। अब यह बात समझ से परे है कि आखिर विपक्षी दल चर्चा करने से पीछे हट क्यों गए। आखिर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में हंगामा खड़ा कर-के क्या हासिल करना चाहते हैं। इस बात से तो यही संकेत मिलता है कि विपक्षी दलों को मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के प्रति कोई चिंता नहीं है। उन्हें वहां पीड़ित जनता से किसी तरह की संवेदनशीलता और सहानुभूति नहीं है। वे इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को कठघरे में खड़ा करके राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं। विपक्षी दलों की यह मांग न्याय संगत और विवेक सम्मत नहीं था कि चर्चा से पहले प्रधानमंत्री सदन में अपना वक्तव्य दें। प्रधानमंत्री को सदन में वक्तव्य देने के लिए विपक्ष मजबूर नहीं कर सकता है। जब सरकार विपक्ष की मांग को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुई तो विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लिया। इस बीच संसद में जारी हंगामे को देखते हुए सरकार विधायी कार्यों को संपन्न करने में जुटी हुई है। सदन में प्रस्तुत विधेयकों पर विचारझविमर्श करना विपक्षी दलों का प्रमुख काम हैङ्क लेकिन इस मह'वपूर्ण दायित्व का भी निर्वाह वह नहीं कर रहा है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पीएम को सबसे अंत में अपना वक्तव्य देना है। अगर वह अपनी वाकपटुता और तर्कों से विपक्ष के सभी आरोपों को धराशायी करने में सफल हो जाते हैं तो विपक्ष को मुंह की खानी पड़.सकती है।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

मुख्यमंत्री से इस्तीफा क्यों नहीं ले पा रही केंद्र सरकार

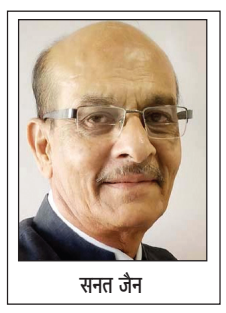

सनत जैन

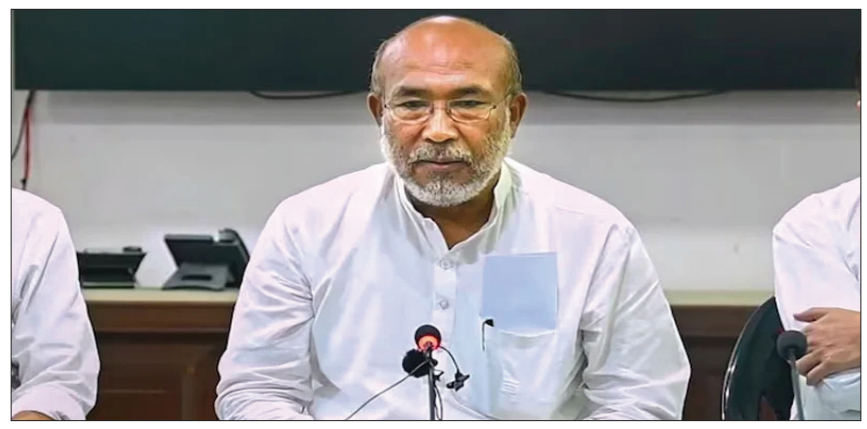

मणिपुर में दो समुदायों के बीच अलगाव चरम सीमा पर पहुंच चुका है। हजारों की संख्या में घर जलाए जा चुके हैं। 300 से ज्यादा गिरजाघर जला दिए गए हैं। कुछ मंदिर भी जलाए गए हैं। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। 2 महिलाओं को नंगा करके घुमाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया है। हजारों लोग अपने ही राज्य में शरणार्थी शिविरों पर रहने के लिए विवश हैं। मणिपुर की घटनाओं का असर अब मिजोरम, असम, नागालैंड इत्यादि राज्यों में भी तेजी के साथ पड़ रहा है। यहां पर भी विभिन्न समुदायों के बीच में असुरक्षा बढ़ गई है। रोजाना मणिपुर और अन्य राज्यों में उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मणिपुर में निरंतर गोलीबारी हो रही है। इस सब के पीछे जो सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है,उसमे मुख्यमंत्री वीरेन सिंह पर किसी भी समुदाय को विश्वास नहीं रहा। सेना, पुलिस, स्वास्थ्य कर्मी भी समुदाय के आधार पर मणिपुर में बंट गई है। जिसके कारण मणीपुर में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महत्वपूर्ण सेवायें भी आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है।

केंद्र सरकार के इशारे पर एक बार मुख्यमंत्री इस्तीफा देने के लिए राजभवन की ओर जा रहे थे। उन्होंने इस्तीफा देने के स्थान पर अपने समर्थकों को बुलाकर इस्तीफा समर्थकों से फड़वा दिया। इस बात को भी कई दिन बीत चुके हैं। इसके बाद भी केंद्र सरकार द्वारा, मुख्यमंत्री से इस्तीफा नहीं लेने के कारण केंद्र सरकार की जवाबदेही बढ़ती ही जा रही है। देश और दुनिया में मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार निशाने पर है। बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान जो हिंसा हुई है,या राजस्थान में जो महिलाओं के साथ यौन संबंधी अपराध हुए हैं। उनसे मणिपुर की तुलना नहीं की जा सकती है। पश्चिम बंगाल और राजस्थान के नाम पर केन्द्र सरकार बचाव करने की सोच रही है। उसके कारण केंद्र सरकार स्वयं निशाने पर आ रही है। माना जा रहा है, केंद्र सरकार डबल इंजन सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए पश्चिम बंगाल और राजस्थान को निशाने पर ले रही है। मणिपुर की तुलना अन्य राज्यों से करना पूरी तरह बेमानी और दोषपूर्ण है। मणिपुर में सेना और पुलिस से उग्रवादियों ने हथियार लूट लिए। ढाई महीने से इंटरनेट बंद था। जगह जगह कर्फ्यू लगाया गया। जब दो युवतियों का नग्न अवस्था का वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकार हरकत में आई। सुप्रीम कोर्ट ने इसमें संज्ञान लिया। टेलीविजन चैनल की बहस में गुजरात दंगों और मणिपुर में हो रहे दंगों के बचाव में पश्चिम बंगाल और राजस्थान, छत्तीसगढ़ का नाम लेकर तथा 1984 के सिख विरोधी दंगों का बार-बार उल्लेख कर जो बचाव किया जाता है। अब इसका भी असर जनता के बीच में नहीं हो रहा है। जिस तरह की स्थिति मणिपुर में बनी हुई है। मणिपुर में मेतई समुदाय और कुकी समुदाय के लोगों का एक साथ रहना नामुमकिन हो गया है। दोनों समुदायों के बीच का यह विभाजन प्रदेश की सुरक्षा, प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों के कारण देश की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। कश्मीर घाटी में 1990 में पंडितों का पलायन हुआ था। पंडितों के पास ना तो कोई हथियार थे। ना उनमें लड़ाई लड़ने का सामर्थ्य था। जिसके कारण वह घाटी छोड़कर भारत के अन्य राज्यों में आकर निवास करने लगे। मणिपुर की स्थिति इसके ठीक विपरीत है। यहां पर तीनों समुदायों के पास बड़ी मात्रा में हथियार हैं। यहां के लोग कई दशकों से आपस में अपने अस्तित्व के लिए लड़ते रहे हैं। गुजरात के दो समुदाय के बीच 2002 में जो दंगे हुए थे। उसमें हिंदुओं के बचाव के लिए अहमदाबाद की सड़कों पर बजरंग दल और हिंदू संगठनों ने मोर्चा संभाल लिया था। मणिपुर की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। पहाड़ी और मैदानी इलाके में सशक्त विद्रोह जैसी स्थिति मणिपुर मे बनी हुई है। यहां पर सेना और सीमा सुरक्षा बल भी अपने आप को असहाय पा रहा है। अब इसका असर पूरे पूर्वोत्तर राज्य के साथ-साथ भारत के अन्य राज्यों में प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। मणिपुर के मुख्यमंत्री से अभी तक इस्तीफा नहीं लिए जाने के कारण, यह मामला अब गुजरात दंगों से भी जोडा जाने लगा है। 2002 में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटाने पर विचार किया गया था। उस समय गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, मुख्यमंत्री को हटाने सहमत नहीं हुए। मोदी दंगों के बाद भी गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को बचाने के चक्कर में, केंद्र सरकार अब निशाने पर आ गई है। मणिपुर के दंगों को अब गुजरात दंगों से जोड़कर देखा जा रहा है। यह स्थिति ना तो केंद्र सरकार के लिए बेहतर है,नाही देश के लिए बेहतर मानी जा सकती है। केंद्र सरकार को जल्द से जल्द निर्णय लेकर स्थिति का समाधान निकालना चाहिए। केंद्र सरकार की छवि पर विपरीत असर पड़ रहा है। केंद्र सरकार और भाजपा को समय रहते यह समझना होगा।

रोहिंग्या समस्याः यूपी से सीखें बाकी राज्य

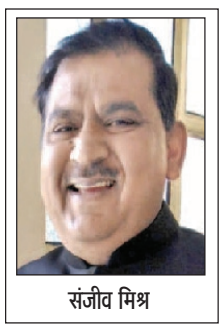

संजीव मिश्र

भारत लंबे समय से घुसपैठ की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान से कटकर बांग्लादेश अलग हुआ, उस समय बड़ी संख्या में बांग्लादेशी भारत आकर बस गए। पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटना इंदिरा गांधी सरकार की बड़ी उपलब्धि जरूर थी लेकिन घुसपैठ की समस्या को अपेक्षाकृत कमतर आंका गया। एक अनुमान के मुताबिक बांग्लादेश मुक्ति के लिए हुए युद्ध की शुरूेआत के समय ही करीब एक करोड़ बांग्लादेशी भारत आ गए थे। यूनाइटेड नेशंस हाई कमीशन फॉर रिफ्यूजीज (यूएनएचसीआर) की तत्कालीन रिपोर्ट इस पर और अधिक विस्तार से प्रकाश डालती है।

रिपोर्ट के मुताबिक 1971 युद्ध के समय प्रति दिन करीब एक लाख बांग्लादेशी भारत आ रहे थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी इस गंभीर खतरे को भांप चुकी थीं, शायद तभी यूएनएचसीआर के भारी दबाव के बावजूद उन्हें कहना पड़ा था कि किसी भी स्थिति में इन्हें भारत में स्थान नहीं दिया जा सकता। 1971 में एक साक्षात्कार में इंदिरा जी ने माना भी था कि भारी संख्या में शरणार्थी आने की वजह से भारत में समस्या खड़ी हो गई है। समय के साथ अस्थायी बस्तियों में रहने वाले बांग्लादेशी कब भारतीय नागरिक बन गए, पता भी नहीं चला। असम में एनआरसी बनाते समय यह बात खूब समझ में आई। बांग्लादेशी घुसपैठियों से जूझ रहे भारत की मुश्किलें अब रोहिंग्या ने बढ़ा दी है। रोहिंग्या घुसपैठियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। फिलहाल इनकी संख्या कितनी है, इसका सटीक अंदाजा लगाना मुश्किल है। 2017 में केंद्र सरकार ने बताया था कि देश में 40 हजार रोहिंग्या घुसपैठिए जम्मू कश्मीर, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान में रहते हैं। हालांकि यूएनएचआरसी ने अपनी रिपोर्ट में 2021 दिसम्बर तक देश के अलग-अलग हिस्सों में करीब 18 हजार रोहिंग्या मुसलमानों के रहने की बात कही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2019 में नागरिकता संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान रोहिंग्या घुसपैठियों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि रोहिंग्या को भारत कभी बतौर नागरिक स्वीकार नहीं करेगा। सरकार के इस वक्तव्य के पीछे एक बड़ा कारण यह भी था कि रोहिंग्या आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं।

रोहिंग्या अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर तो बोझ हैं ही ड्रग्स, मानव तस्करी समेत आतंकवादी घटनाओं में इनकी संलिप्तता ने भी सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। रोहिंग्या ने भारत के अलावा बांग्लादेश में भी घुसपैठ की। आज बांग्लादेश रोहिंग्या घुसपैठियों की वजह से बदहाली के भंवर में फंसता जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने माना कि म्यांमार से भागकर भारत और बांग्लादेश आए रोहिंग्या मुसलमानों ने देश के सामाजिक तानेबाने और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। संयुक्त राष्ट्र से प्रभावी भूमिका निभाने का अनुरोध करते हुए शेख हसीना ने कहा है कि रोहिंग्या की लंबे समय तक बांग्लादेश में मौजूदगी ने अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सुरक्षा और सामाजिकझराजनीतिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव डाला है। ड्रग्स, मानव तस्करी समेत संगठित अपराध बढ़ गए हैं। भारत में भी स्थितियां कमोबेश ऐसी ही हैं। म्यांमार की सीमा पर जवानों से बचते हुए घने जंगलों से होकर रोहिंग्या उत्तर-पूर्वी राज्यों सिक्किम और मिजोरम से भारत के अंदरूनी हिस्सों का रुख कर चुके हैं, और कर रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए सख्ती बरती जा रही है, गिरफ्तारियां भी होती रहती हैं। फिर भी रोहिंग्या उत्तर-पूर्व से बंगाल, असम, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश होते हुए नेपाल सीमा तक पहुंच रहे हैं। बंगाल से ट्रेन के माध्यम से दिल्ली और वहां से पाकिस्तान सीमा से सटे संवेदनशील जम्मू-कश्मीर तक डेरा डाल चुके हैं। जम्मू कश्मीर में पुंछ, डोडा, अनंतनाग, सांबा और जम्मू में काफी संख्या में रहने लगे। सरकार सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर चुकी है कि रोहिंग्या देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हाल में एटीएस ने मथुरा, अलीगढ़, हापुड़, गाजियाबाद में छापेमारी की। 74 रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया। गाजियाबाद में पकडे गए रोहिंग्या से कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। कइयों के पास से पहचान पत्र, राशन कार्ड बरामद हुए हैं। कई घुसपैठी तो 10-15 सालों से रह रहे थे। जांच का विषय है कि आखिर, कैसे इन घुसपैठियों का पहचान पत्र, राशन कार्ड बन गया। रोहिंग्या घुसपैठियों से निपटने के लिए देश की राजधानी दिल्ली में बाकायदा एक सेल का गठन किया गया। लेकिन इन दिनों यह सेल बहुत सक्रिय नहीं है। इसके पीछे बड़ा कारण यह भी है कि ये घुसपैठिए येन केन प्रकारेण फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, जिस कारण उनकी पहचान मुश्किल हो जाती है। इन घुसपैठियों के खिलाफ गंभीरता से कार्रवाई करने का समय आ गया है क्योंकि कुल वैश्विक क्षेत्रफल के मात्र 2.4 प्रतिशत एवं जल संसाधनों के मात्र 4 प्रतिशत भाग के बूते अपनी लगभग 140 करोड़ आबादी का वहन कर रहा देश घुसपैठियों का बोझ किसी भी सूरत उठाना नहीं चाहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आठ लाख से भी कम कीमत की है ये जबर्दस्त कारें

-सालों साल आपका साथ देगी ये कारें

नई दिल्ली । अगर आप ऐसी कार की तलाश में हैं जो सालों साल तक आपका साथ निभाए तो एक ऐसी ही खास गाड़ी का निर्माण टाटा मोटर्स करती है। टाटा मोटर्स की ये एक पॉपुलर एसयूवी है जो टॉप सेलिंग कारों की लिस्ट में भी रहती है। यहां पर हम बात कर रहे हैं टाटा नेक्सॉन की। टाटा नेक्सॉन को सेफ्टी रेटिंग भी 5 स्टार की मिल चुकी है। कार की स्ट्रैंथ की बात की जाए तो ये कई फुल साइज एसयूवी को भी पीछे छोड़ सकती है। वहीं इसका इंजन भी काफी पावरफुल है। कंपनी इसे पेट्रोल, डीजल के साथ ही इलेक्ट्रिक वेरिएंट में भी ऑफर करती है। कार को केवल मजबूत या पावरफुल ही नहीं बनाया गया है बल्कि इसमें बेस्ट इन क्लास फीचर्स भी दिए गए हैं। आइये आपको बताते हैं टाटा नेक्सॉन में ऐसी क्या खासियत हैं जो इस कार को एक बेहतरीन एसयूवी बनाती हैं।टाटा नेक्सॉन को कंपनी 65 वेरिएंट्स में ऑफर करती है। इसके पेट्रोल इंजन की बात की जाए तो ये 1199 सीसी का है, ये एक 3 सिलेंडर यूनिट है और 113.42 बीएचपी की पावर जनरेट करती है। वहीं इसका डीजल इंजन 1497 सीसी का है जो 118.35 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। कार का माइलेज भी बेहतरीन है ये पेट्रोल इंजन के साथ 18 किलोमीटर प्रति लीटर का है। वहीं कार के डीजल इंजन की बात की जाए तो इसका माइलेज 24 किलोमीटर प्रति लीटर तक का है।5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आने वाली नेक्सॉन में 6 एयरबैग की सुरक्षा भी मिलती है। इसी के साथ एबीएस, ईबीडी, ट्रैवे शन कंट्रोल, रियर पार्किंग कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर, थ्री वे एडजस्टेबल सीटबेल्ट, आईसोफिक्स चाइल्ड सीट, चाइल्ड लॉक के साथ ही कई और सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। वहीं कार में इंफोटेनमेंट सिस्टम, सनरूफ, डिजिटल डिस्पले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, स्टीयरिंग कंट्रोल्स, क्रूज कंट्रोल, रेन सेंसिंग वाइपर, फॉलो मी हैडलैंप्स जैसे कई फीचर्स मिलते हैं। नेक्सॉन ईवी की बात की जाए तो इसका प्राइम वेरिएंट 30.2 किलोवॉट के बैटरी पैक से लैस है। ये बैटरी पैक कार को 312 किलोमीटर की रेंज देता है। कार की मोटर 127 बीएचपी की पावर जनरेट करती है। खास बात ये है कि ये केवल 60 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

आरवीएनएल में सरकार की हिस्सेदारी बेचने की पेशकश का अच्छा असर दिखा

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र के रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) में केंद्र सरकार की 5.36 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। बिक्री पेशकश को पहले दिन 2.73 गुना अभिदान मिला। संस्थागत निवेशकों ने लगभग 2,000 करोड़ रुपए की बोलियां लगाई। बिक्री पेशकश का पहला दिन संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित था और उन्होंने निर्धारित 6.38 करोड़ शेयरों की तुलना में 15.64 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां लगाईं। पेशकश के लिए 121.17 रुपए प्रति शेयर का सांकेतिक मूल्य रहा। उस हिसाब से लगाई गई बोलियों का मूल्य करीब 2,000 करोड़ रुपए है। मोदी सरकार ने बिक्री पेशकश के द्वारा आरवीएनएल के 11.17 करोड़ शेयरों को बेचकर अपनी 5.36 प्रतिशत हिस्सेदारी कम करने का फैसला किया है। इसके लिए 119 रुपए प्रति शेयर का आरक्षित मूल्य तय किया है। कंपनी ने बताया कि प्रस्तावित बिक्री पेशकश में आरवीएनएल के 70,890,683 इक्विटी शेयर शामिल हैं। यह 3.40 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। साथ ही 40,866,394 अतिरिक्त इक्विटी शेयर बेचने का विकल्प भी है, जो कुल जारी और चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 1.96 प्रतिशत है। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने बताया, आरवीएनएल में बिक्री पेश को गैर-खुदरा निवेशकों से आज अच्छी प्रतिक्रिया मिली। मोदी सरकार ने अतिरिक्त 1.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का भी निर्णय किया है। शेयर बिक्री के पहले दिन संस्थागत निवेशकों ने 6.38 करोड़ शेयरों के सामने 17.44 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां लगाईं। ये बोलियां 121.76 रुपए की सांकेतिक कीमत पर करीब 2,100 करोड़ रुपए की है। शुक्रवार को खुदरा निवेशक इसके लिए बोलियां लगाएंगे।

भारतीय कंपनियां विदेश में सूचीबद्ध हो सकती हैं: सीतारमण

मुंबई:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कंपनियां अब विदेशी शेयर बाजारों के साथ ही अहमदाबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) पर सीधे सूचीबद्ध हो सकती हैं। सरकार ने इस संबंध में कोविड राहत पैकेज के तहत घोषणा की थी, जिसे तीन साल बाद मंजूरी मिली। इसके जरिए घरेलू कंपनियों को विदेश में विभिन्न शेयर बाजारों पर अपने शेयरों को सूचीबद्ध करके धन जुटाने में मदद मिलेगी। इस संबंध में एक प्रस्ताव पहली बार मई 2020 में महामारी के दौरान घोषित नकदी पैकेज के तहत पेश किया गया था। सीतारमण ने कहा, ''घरेलू कंपनियां अब विदेश में प्रतिभूतियों को प्रत्यक्ष रूप से सूचीबद्ध कर सकती हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि सरकार ने आईएफएससी एक्सचेंज पर सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों की प्रत्यक्ष सूचीबद्धता को मंजूरी देने का फैसला भी किया है।'' उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा कदम है और इससे भारतीय कंपनियों को बेहतर मूल्यांकन की सुविधा और वैश्विक पूंजी तक पहुंच मिलेगी। वह कॉरपोरेट बांड बाजार को मजबूत

करने में मदद के लिए एएमसी रेपो निपटान और कॉरपोरेट ऋण बाजार विकास कोष की शुरुआत के मौके पर एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने एक नियामक प्रभाव मूल्यांकन की अपील भी की, ताकि विनियमित संस्थाएं और बाजार अपने फैसलों के नतीजों को बेहतर ढंग से समझ सकें। सीतारमण ने कहा कि सरकार शहरों को अपनी साख रेटिंग सुधारने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, ताकि उन्हें अपने बांड के लिए बेहतर मूल्य मिल सके।

होटल कारोबार वाली नई कंपनी का बहीखाता होगा मजबूत: आईटीसी चेयरमैन

कोलकाता ।

आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने कहा कि अलग होने वाले होटल कारोबार का बहीखाता मजबूत होगा और वह कर्ज-मुक्त भी होगा। पुरी ने कहा कि होटल कारोबार के लिए अलग कंपनी गठित होने के बाद वह जरूरत होने पर कर्ज, इक्विटी या रणनीतिक निवेशकों से पूंजी जुटा पाएगी। उन्होंने कहा कि नई कंपनी का निदेशक मंडल ही यह तय करेगा कि इस तरह की पूंजी की कब जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई कंपनी कम पूंजी जरूरत वाले मॉडल पर काम करेगी। आईटीसी के निदेशक मंडल ने 24 जुलाई की बैठक में होटल कारोबार को अलग कर उसके लिए अलग कंपनी बनाने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी। इस होटल कंपनी को बाद में शेयर बाजार में भी सूचीबद्ध किया जाएगा। पुरी ने कहा, आईटीसी इस कंपनी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अपना निवेश जारी रखेगा। होटल कंपनी का मजबूत बहीखाता होगा और यह कर्ज-मुक्त भी होगी। नई कंपनी के परिचालन में स्थायित्व होगा और उसे आईटीसी की संस्थागत मजबूती से भी समर्थन मिलेगा।

एचडीएफसी बैंक व स्विगी ने मिलकर जारी किया को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड, मिलेगा 5 फीसदी कैशबैक

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप स्विगी का इस्तेमाल करने वालों के लिए एचडीएफसी ने कोब्रांडेड क्रेडिटकार्ड जारी किया है। इससे 5 फीसदी कैशबैक भी मिलनेगा। फूड की ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों के लिए स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड एक बेहतरीन कार्ड साबित हो सकता है। हाल ही में इस कार्ड को लॉन्च किया गया है। जानकारी के अनुसार इस कार्ड को उन सभी मर्चेंट आउटलेट या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में इस्तेमाल किया जा सकता है, जो मास्टरकार्ड को स्वीकार करते हैं। स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड में कैशबैक को रिडीम करने की जरूरत नहीं है। इस कार्ड में ऑटो-क्रेडिट कैशबैक फैसिलिटी है। बिल जनरेट होने के 10 दिन के भीतर आपको कैशबैक स्विगी मनी में मिल जाता है। ध्यान देने वाली बात है कि स्विगी मनी के पैसे का इस्तेमाल केवल स्विगी प्लेटफॉर्म के भीतर ट्रांजैक्शन के लिए ही किया जा सकता है। इस कार्ड के खास फीचर्स की बात करें तो - वेलकम बेनिफिट के रूप में कार्डहोल्डर्स को स्विगी वन की 3 महीने की मेंबरशिप फ्री मिलेगी। अगर यूजर्स स्विगी के माध्यम से कुछ मंगाते हैं, जैसे फूड डिलीवरी, क्विक ग्रोसरी डिलीवरी, डाइनआउट और अन्य सर्विसेज और इस कार्ड के जरिए पेमेंट करते हैं तो 10 फीसदी कैशबैक मिलेगा। इस कैटेगरी में हर महीने 1500 रुपये कैशबैक राशि तक इसका फायदा मिलेगा।

इस कार्ड के जरिए अमेजन, फ्लिपकार्ड, , नायका, ओला, उबेर से हित हजारों ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर की गई खरीदारी पर 5 फीसदी कैशबैक मिलेगा। इस कैटेगरी में हर महीने 1500 रुपये कैशबैक राशि तक इसका फायदा मिलेगा। इसके अलावा ग्राहक अन्य सभी खर्चों पर 1 फीसदी कैशबैक का

लाभ उठा सकते हैं। इस कैटेगरी में हर महीने 500 रुपये कैशबैक राशि तक इसका फायदा मिलेगा। रेंट पेमेंट, वॉलेट लोड, ईएमआई ट्रांजैक्शन आदि पर कोई कैशबैक नहीं मिलेगा। यह कार्ड कॉन्टैक्टलेस टेक्नोलॉजी से लैस है जिससे ग्राहकों को 'टैप एंड पे' की सुविधा भी मिलती है यानी कार्ड को स्वाइप किए बिना पीओएस मशीन पर केवल टैप करके पेमेंट किया जा सकता है।

स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के चार्जेज की बात करें तो इस कार्ड की जॉइनिंग फीस 500 रुपये है। इस कार्ड की रिन्यूअल मेंबरशिप फी 500 रुपये है। हालांकि सालभर में 2 लाख रुपये खर्च करने पर रिन्यूअल फी माफ कर दी जाती है। स्विगी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के लिए ये दि हम एलिजिबिलिटी की बात करें तो इस कार्ड को सैलरीड या सेल्फ इंप्लॉइड व्यक्ति ले सकता है। 21 साल से 60 साल उम्र के लोग और कम से कम 25 हजार रुपये प्रतिमाह से ज्यादा ग्रॉस सैलरी पाने वाले नौकरीपेशा लोग अप्लाई कर सकते हैं और 6 लाख रुपये सालाना से अधिक आय वाला सेल्फ इंप्लॉइड इस कार्ड के लिए अप्लाई कर सकता है।

सेमीकंडक्टर की वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में चीन को पीछे छोड़ेगा भारत

-भारत अगले 10 साल में 10 अरब डॉलर की उपलब्धि हासिल करने को तैयार

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि चिप के स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10 अरब डॉलर के प्रोत्साहन और सहयोग से भारत एक दशक में सेमीकंडक्टर की वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में प्रमुख भूमिका निभाने की ओर अग्रसर है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएमआई) योजना ने पिछले साल वेदांता और ताइवान की फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों को आकर्षित किया था। इन कंपनियों ने चिप विनिर्माण के लिए अरबों डॉलर के निवेश से इकाइयां स्थापित करने का वादा किया था। बता दें कि चिप का उपयोग मोबाइल फोन से लेकर वाहनों तक में किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर परिवेश में ऐसा कोई नहीं है जो भारत को निवेश और नवाचार के लिए एक बहुत विश्वसनीय, व्यवहार्य और तेजी से उभरते गंतव्य के रूप में नहीं देखता है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अगले 10 साल में 10 अरब डॉलर (लगभग 81,993 करोड़ रुपये) के साथ वह उपलब्धि हासिल करने के लिए तैयार है, जिसे प्राप्त करने के लिए चीन ने तीन दशक तक प्रयास किया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हम 10 अरब डॉलर के साथ अगले 10 साल में वह हासिल करने की ओर अग्रसर हैं, जिसे प्राप्त करने में चीन को 25-30 साल लगे ` फिर भी वह सफलता हो नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि माइक्रोन के साथ एटीएमपी परियोजना से सेमीकंडक्टर उद्योग में 5,000 प्रत्यक्ष और 15,000 अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। वैश्विक मेमोरी समाधान क्षेत्र में माइक्रोन दुनिया की अग्रणी कंपनी है। कभी-कभी कुछ लोग या तो समझ की कमी या जानबूझकर पिछले 15 महीनों के प्रयास को अलग-अलग तरीकों से चित्रित करते हैं। लेकिन सेमीकंडक्टर पर भारत

की कहानी में भारत को सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनाने का सपना पहली बार कुछ महीने पहले शुरू हुआ है। गौरतलब है कि घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और आयात बिल कम करने के लिए मार्च 2020 में पीएलआई योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना के तहत सरकार कंपनियों को भारत में बने प्रोडक्ट की बिक्री के आधार पर इंसेंटिव देती है। इस योजना का उद्देश्य घरेलू कंपनियों को देश में अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इन सबके अलावा, यह विदेशी कंपनियों को भारत में अपना कारोबार स्थापित करने के लिए आमंत्रित भी करती है।

एफपीआई ने बेचे दिए स्टॉक, शेयर बाजार पर प्रतिकूल असर

मुंबई । डॉलर इंडेक्स के 101.7 तक बढ़ने, ब्रेंट क्रूड के 83 डॉलर से ऊपर बढ़ने और एफपीआई द्वारा 3,979 करोड़ रुपये के स्टॉक बेचने से बाजार में प्रतिकूल परिस्थितियां आई हैं। बाजार जानकार ने कहा कि कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण बाजार की हालत नाजुक है। लेकिन अमेरिका की दूसरी तिमाही के 2.4 प्रतिशत के मजबूत जीडीपी आंकड़े से मदद मिल सकती है। निवेशकों को उन स्मॉल-कैप का पीछा करने में सावधानी बरतनी होगी, जो अधिक मूल्य वाले क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि लार्ज-कैप, भले ही अत्यधिक मूल्यवान हों, जोखिम भरे स्मॉल-कैप के विपरीत सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, फार्मा वापसी कर रहा है और पिटे हुए धातु शेयरों में मूल्य-खरीदारी हो रही है। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को फिर 186 अंक गिरकर 66,080 अंक पर है। बजाज फिनसर्व में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट है। टाटा मोटर्स, टीसीएस, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक और टेक महिंद्रा 1 फीसदी से ज्यादा नीचे हैं।

बजाज फिनसर्व का शुद्ध लाभ 48 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । बजाज फिनसर्व का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 1,943 करोड़ रुपए रहा। लाभ बढ़ने का मुख्य कारण मार्जिन और संपत्तियों में वृद्धि है। बजाज फिनसर्व बजाज समूह की वित्तीय सेवा कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है। लाभ वृद्धि के मामले में सबसे आगे समूह की प्रमुख कंपनी बजाज फाइनेंस रही। इसका शुद्ध लाभ जून तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़कर 3,437 करोड़ रुपए रहा। यह बीते वित्त वर्ष की जून तिमाही में 2,596 करोड़ रुपए था। कंपनी ने कहा कि बजाज समूह की साधारण बीमा इकाई बजाज आलियांज जनरल ने जून तिमाही में 415 करोड़ रुपए कमाए जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसने 411 करोड़ रुपए कमाए थे। कंपनी ने बयान में कहा,कंपनी की कुल आय जून तिमाही में 47 प्रतिशत बढ़कर 23,280 करोड़ रुपए हो गई।

BAJAJ FINSERV

इनवेस्टर्स का भरोसा जीतकर अडानी ग्रुप जुटा सकता है मार्केट से रकम

नई दिल्ली ।

एक बार फिर से अडानी ग्रुप इनवेस्टर्स का भरोसा जीतकर मार्केट से रकम जुटाने का प्रयास करने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार अरबपति गौतम अदाणी का ग्रुप संभावित रूप से 1 अरब डॉलर से ज्यादा रकम जुटाने के लिए लोन मार्केट में लौट रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में बताया गया कि अडानी ग्रुप अपने शेयरों और बांडों में मंदी के छह महीने बाद यह धीरे-धीरे धन जुटाने की क्षमता हासिल कर रहा है। गौरतलब है कि यूएस शॉर्ट सेलर द्वारा पेश की गई हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह में काफी हलचल मच गई थी और इसके शेयर लगातार गिरते जा रहे थे, जिसकी वजह से कंपनी का काफी नुकसान झेलना पड़ा था। ब्लूमबर्ग ने बताया कि भारतीय समूह अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड की खरीद के लिए लिए गए कर्ज को रीफाइनैंस करने के लिए 600 मिलियन डॉलर से 750 मिलियन डॉलर के बीच उधार ले रहा है जिसके लिए ग्रुप बार्कलेज पीएलसी, डॉयचे बैंक एजी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी के साथ बातचीत कर रहा है। इसके अलावा अलग से, अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोलर मॉड्यूल प्रोजेक्ट के लिए बार्कलेज और डॉयचे बैंक से कर्ज के जरिये 394 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। बता दें कि अदाणी समूह ने अपने कर्ज मेट्रिक्स में सुधार के बाद हाल के महीनों में धन उगाहने में वापसी शुरू कर दी है। लोन डील्स को सुरक्षित करने के लेटेस्ट प्रयासों से संकेत मिलता है कि शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग द्वारा जनवरी में लगाए गए आरोप के बाद अदाणी समूह इनवेस्टर्स का विश्वास फिर से जीतना चाह रहा है। अदाणी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों का सख्ती से खंडन किया है, और कंपनी के शेयरों और बांडों ने शुरुआती बिकवाली से हुए कुछ नुकसान की भरपाई कर ली है, जिससे एक समय समूह की मार्केट वैल्यू का 150 अरब डॉलर से ज्यादा सफाया हो गया था। अडानी कानोक्स प्राइवेट ने डेटा सेंटर कंस्ट्रक्शन के फाइनैंस के लिए 213 मिलियन डॉलर का सीनियर डेट बेचा, जबकि अडानी इंटरप्राइजेज लि. ने इस महीने लोकल करेंसी बांड सेल के जरिये 12.5 अरब रुपये मार्केट से जुटाए।

मारुति अर्टिगा एमपीवी का रिबैज्ड वर्जन

-साल के अंत में भारत में भी होगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

दक्षिण अफ्रीका में टोयोटा ने अपनी एक नई एमपीवी टोयोटा रुमियन को लॉन्च किया है। ये एमपीवी अंतरराष्ट्रीय बाजार में लॉन्च की गई काफी चर्चा में है। टोयोटा रुमियन भारत में बेची जा रही मारुति अर्टिगा एमपीवी का रिबैज्ड वर्जन है जिसे इस साल के अंत में भारत में भी लॉन्च किया जा सकता है। बता दें कि टोयोटा भारत में मारुति से रिबैज्ड की गई कई कारों को बेचती है। इसमें टोयोटा ग्लैंजा, अर्बन क्रूजर हाईराइडर, इनोवा हाईक्रॉस जैसे मॉडल शामिल हैं। हालांकि रुमियन को कंपनी ने कुछ बदलाव के साथ पेश किया है। कंपनी ने इसके फ्रंट ग्रिल का डिजाइन इनोवा हाईक्रॉस के जैसा दिया है, जिससे एमपीवी का फ्रंट लुक नया लग रहा है। टोयोटा रुमियन का साइड और रियर डिजाइन मारुति अर्टिगा से पूरी तरह प्रेरित है। इंटरनेशनल मार्केट में टोयोटा रुमियन को मारुति अर्टिगा के समान पॉवरट्रेन में लाया गया है जो कि 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 104 पीएस पॉवर और 138 एनएम टॉर्क का जनरेट करता है। इसे 5-स्पीड मैनुअल और 4-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन दिया गया है। भारत में लॉन्च होने वाले रुमियन एमपीवी में भी कंपनी इसी इंजन का इस्तेमाल कर सकती है। हालांकि, इसमें 4-स्पीड ऑटोमैटिक के बजाय 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर मिल सकता है।इंडियन मॉडल में भी यही फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। हालांकि इसमें 8-इंच के जगह 9-इंच की स्क्रीन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

रुमियन एमपीवी एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज़ कंट्रोल, डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल होल्ड, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल (वीएससी) और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट एंकर के साथ आता है।

गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध...भारत की अपनी मजबूरी

असामान्य बारिश से चावल के उत्पादन में कमी की आंशका

नई दिल्ली ।

भारत ने पिछले दिनों गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इस विश्व के कई देशों के लिए बड़ा झटका माना गया। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत के इस कदम से वैश्विक मुद्रास्फीति और कई देशों में चावल की कमी की आशंका बढ़ गई है। भारत दुनिया में 40 प्रतिशत चावल की निर्यात करता है। भारत के चावल 140 देशों में जाते हैं। भारत के गैर-बासमती सफेद चावल निर्यात के प्रमुख गंतव्यों में थाईलैंड, इटली, स्पेन, श्रीलंका और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

विश्व के लिए राहत की बात यह है कि भारत की ओर से गैर-बासमती उसना चावल और बासमती चावल की निर्यात नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर भारत की ओर से यह कदम क्यों उठाया गया है? खाद्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र ने आगामी त्यौहारों के दौरान घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और खुदरा कीमतों को काबू में रखने के लिए यह कदम उठाया है। बताया जा रहा है कि चावल की खुदरा कीमतों में पिछले एक साल में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वहीं पिछले एक महीने के आंकड़े पर नजर डाले, तब इसमें तीन प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। भारत से दूसरे देशों में चावल निर्यात पर प्रतिबंध के पीछे एक प्रमुख कारण यह भी है कि देश के कुछ हिस्सों में असामान्य वर्षा, जिसके कारण उत्पादन में कमी की चिंता बढ़ी है। निर्यात पर इस प्रतिबंध से देश में चावल की असमान और अपर्याप्त आपूर्ति पर अंकुश लगने की उम्मीद है। भारत के इस कदम से प्रमुख देशों में चावल की कीमतें गंभीर रूप से बढ़ सकती हैं। अमेरिका भारत के प्रमुख चावल बाजारों में से एक है, अमेरिका और कनाडा ने 2022-23 में भारत से 64,330 टन गैर-बासमती चावल का आयात किया। इसकारण अमेरिका में चावल निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के भारत के फैसले के नतीजों को कोई भी समझ सकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कई जगह आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें बढ़ने से घरेलू बाजार में भी तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है। अंतराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दाम 84 डॉलर के करीब पहुंच गये हैं। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी कई जगह बदलाव आया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, नोएडा में पेट्रोल 8 पैसे फिसलकर 96.92 रुपये लीटर हो गया है, जबकि डीजल 5 पैसे कम होकर 90.09 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 19 पैसे सस्ता होने के बाद 96.43 रुपये प्रति पर लीटर मिल रहा है। डीजल भी यहां 16 पैसे नीचे आकर 89.65 रुपये लीटर है जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 70 पैसे महंगा होकर 108.12 रुपये लीटर और डीजल 65 पैसे बढ़कर 94.86 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड अब 83.80 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा

है। इसके साथ ही डब्ल्यूटीआई की कीमतें भी 79.71 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी हैं।

चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

Sports

फीफा महिला विश्व कप : नाइजीरिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबको हैरान किया

ब्रिसबेन । नाइजीरिया ने फीफा महिला विश्वकप फुटबॉल की सह मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। इस मैच में फॉरवर्ड असिसात ओशोआला ने विजयी गोल किया। ओशोआला दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान में उतरी और उसने 72वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस जीत से नाईजीरिया ग्रुप बी में कनाडा के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गया दोनों के चार-चार अंक हैं। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलियाई टीम को प्री क्वार्टर में पहुंचने के लिए सोमवार को मेलबर्न में ओलंपिक चैम्पियन कनाडा को हराना होगा। नाईजीरिया के लिए ओशोआला के अलावा उचेना कानू ने 45 वें मिनट जबकि ओसिनाची ओहाले ने 65वें मिनट में एक-एक गोल किये। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की ओर से एमिली वान एगमंड ने 45 वें और अलाना कैनेडी ने अंतिम क्षणों में एक गोल किया।

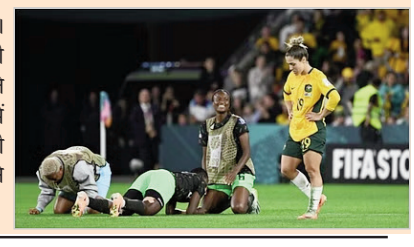

दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम

बारबडोस ।

टीम इंडिया शनिवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना रहेगा।

भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में आसानी से पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। टीम इंडिया ने पहले मैच में युवाओं को अधिक अवसर दिया था। वह सिलसिला इस मैच में भी जारी रहेगा ये अब देखना होगा। युवा खिलाड़ियों ने पहले एकदिवसीय में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनो में अपने को साबित किया। अब भारतीय शनिवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय में भी फिर अपने निर्धारित बल्लेबाजी क्रम पर वापसी कर सकती है जिससे वह बल्लेबाजों के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल कर ले। पहले एकदिवसीय में भारतीय टीम ने मेजबान टीम को केवल 114 रनों पर समेट दिया था। 115 रन का था तो टीम ने आराम से इसे हासिल कर लिया। अब दूसरे एकदिवसीय में माना जा रहा है कि रोहित स्वयं शुभमन गिल के साथ बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे और विराट कोहली तीसरे नंबर पर खेलेंगे। पहले एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद भी ईशान किशन को मध्यक्रम में ही उतारा जा सकता है। विश्व कप मैच से पहले कुछ ही मैच बचे हैं ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य एक संतुलित संयोजन पर बने रहने का रहेगा। इसलिये ज्यादा प्रयोग करने पर शायद जोर नहीं दिया जाए। गुरुवार को केनिसंगटन ओवल की पिच स्पिनरों की सहायक दिखी जिसमें रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव की टर्न और उछाल लेती गेंदों के सामने कैरेबियाई बल्लेबाज बेबस नजर आये। यहां तक कि हार्दिक पंड्या नयी गेंद से उमरान मलिक के साथ बल्लेबाजों को परेशान करने में सफल रहे।

दूसरे एकदिवसीय में शायद ही उसी पिच का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा पर ये भी वैसी ही हो सकती है, इसलिये भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने की चुनौती से परेशानी नहीं होनी चाहिए। भारतीय टीम के लिए गुडाकेश मोती की बायें हाथ की स्पिन गेंदबाजी और यानिक कारिया की लेग ब्रेक गेंदों को खेलना ज्यादा कठिन नहीं होना चाहिये हालांकि यह इतना आसान भी नहीं होगा। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने के लिए इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी का अवसर है।

सूर्यकुमार जानते हैं कि अगर श्रेयस अय्यर फिट हो जाते हैं और अगर केएल राहुल वापसी करते हैं तो अंतिम एकादश में उनके लिए जगह बनान कठिन हो जाएगा। इसलिए उनके लिए एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाना बहुत जरूरी होगा ताकि टीम में उनका स्थान पक्का हो सके। मुकेश कुमार ने पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी की और वह इस मैच में भी बेहतर पदर्शन करना चाहेंगे। पहले एकदिवसीय में भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और यजुवेन्द्र चहल के सामने इंडीज बल्लेबाज टिक नहीं पाये थे। अब मेजबान टीम को इस मैच में बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

लक्ष्य जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, सात्विक-चिराग हारे

टोक्यो ।

भारत के लक्ष्य सेन जीत के साथ ही जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। लक्ष्य ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जापान की कोकी वातानाबे को 21-15, 21-19 से हराया। विश्व के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 33वीं रैंकिंग वाले वातानाबे को आसानी से हरा दिया। इसी के साथ वह लगातार तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने कनाडा और अमेरिकी ओपन जीता था। लक्ष्य ने शुरु में ही 5.3 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उनकी बढ़त बढ़कर 11.7 पहुंच गयी। उन्हें पहला गेम क्रॉसकोर्ट पर दो शानदार रिटर्न के साथ जीत लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी के प्रयास किये पर लक्ष्य ने लय बरकरार रखते हुए गेम पर कब्जा कर लिया।

अब सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी या तीसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत विदितसर्न से होगा। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में भारत के ही सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को चीनी ताइपै के ली यांग और वांग चि लान की जोड़ी ने 21-15, 23-25, 21-16 से हरा दिया।

बजरंग और विनेश को जीतना होगा विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रॉयल

हारे तो एशियाई खेलों में जाना होगा मुश्किल

नई दिल्ली । पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को भले ही एशियाई खेलों के लिए सीधे प्रवेश मिल गया है पर इनका रास्ता अभी साफ नहीं हुआ है। ये पहलवान अगर विश्व चैंपियनशिप के लिए रखे ट्रायल में हार जाते हैं तो फिर शायद ही एशियाई खेलों में भाग ले पायें। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा कुश्ती के संचालन के लिए नियुक्त एक तदर्थ समिति सदस्य ने कहा कि अगर बजरंग और विनेश विश्व चैंपियनशिप के लिए आगामी ट्रायल हार जाते हैं तो उन्हें भारत की एशियाई खेलों की टीम से हटाने को कहा जाएगा। बजरंग को फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और विनेश को 53 किग्रा एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश दिया गया। ओलंपिक के अन्य 16 वजन श्रेणियों में खिलाड़ियों का चयन ट्रायल के आधार पर हुआ। इससे पहले बजरंग, विनेश और चार अन्य पहलवानों ने ट्रायल की तैयारी के लिए 10 अगस्त तक का समय मांगा था। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने हालांकि कुश्ती की प्रविष्टियां भेजने की सीमा 23 जुलाई से आगे नहीं बढ़ाई। तदर्थ समिति के द्वारा बजरंग और विनेश को एशियाई खेलों के ट्रायल के लिए छूट देने के फैसले की आलोचना हुई और कई लोगों ने इसे गलत भी बताया वहीं अब समिति के एक सदस्य ने , ''हम समिति को प्रस्ताव देंगे कि अगर बजरंग और विनेश विश्व चैम्पियनशिप ट्रायल जीतते हैं, तभी उन्हें एशियाई खेलों के लिए भेजा जाना चाहिए, अन्यथा नहीं। अगर बजरंग ट्रायल हार जाते हैं तो वह स्टैंड-बाय पर होंगे और एशियाई खेलों के ट्रायल के विजेता (विशाल कालीरमन) चीन जाएंगे। कालीरमन (पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा) और अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) स्टैंडबाय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने उन श्रेणियों में एशियाई खेलों के ट्रायल जीते हैं जिनमें बजरंग और विनेश प्रतिस्पर्धा करते हैं।

अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड 283 रनों पर सिमटी, ऑस्ट्रेलिया 61/1

स्टार्क ने चार विकेट लिए

ओवल ।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां एशेज क्रिकेट सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट खोकर 61 रन बनाए। इससे पहले मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मेजबान इंग्लैंड को 54.4 ओवर में ही 283 रन पर समेट दिया था। इंग्लैंड ने इस मैच में भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 5.17 के औसत से रन बनाये। आज सुबह पहली पारी में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने घातक गेंदबाजी की। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने मेजबान टीम के सबसे अधिक 4 विकेट लिए। उन्होंने हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स और स्टुअर्ट ब्रॉड को पेवेलियन भेजा। स्टार्क ने कप्तान बेन स्टोक्स को बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जल्दी-जल्दी तीन विकेट खो दिये। इसके बाद मोईन अली और हैरी ब्रूक ने अच्छी साझेदारी कर पारी संभाली। इंग्लैंड का स्कोर जब 184 रन था, तब मोईन अली

आउट हो गए। उनके बाद कप्तान स्टोक्स बल्लेबाजी के लिए आए। इंग्लैंड को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह असफल रहे।

इंग्लैंड की टीम ने 283 रन पर ही अपने सभी विकेट खो दिये। ऑस्ट्रेलिय की ओर से स्टार्क के अलावा जोश हेजलवुड और टॉड मर्फी ने ने भी 2-2 विकेट लिए जबकि कप्तान पैट कमिंस और मिचेल मार्श ने एक-एक विकेट लिया।

संक्षिप्त समाचार

आयरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई किया

एडिनबर्ग । आयरलैंड ने वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होने वो आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जर्मनी के खिलाफ क्वालीफाइंग दौर का मैच बारिश के कारण नहीं हो पाने के साथ ही आयरलैंड की टीम ने इस विश्वकप के लिए प्रवेश हासिल किया। आयरलैंड का स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाले मैच से पहले ही दूसरे स्थान पर आना तय हो गया था। स्कॉटलैंड की टीम ने पहले ही टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसे में अब शीर्ष दो यूरोपीय क्वालीफायर टीम मुख्य दौर में जगह बनाएंगी। आयरलैंड ने अब तक खेले पांच मैच में से चार में जीत हासिल की है। टीम अगर अब स्कॉटलैंड के खिलाफ भी जीत हासिल करती है तो अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच जाएगी। आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने पर खुशी जतायी है। कप्तान ने कहा, ''हमें खुशी है कि हमने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हम स्कॉटलैंड स्पष्ट योजना के साथ आए थे और हमें पता था कि हमने कौन सी शैली का खेल दिखाना है और मुझे लगता है कि हमने उसी अनुसार सही परिणाम दिया।

अर्जुन तेंदुलकर नये अवतार में , 6 पैक एब्स दिखाये

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर आजकल अपनी फिटनेस बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक शर्टलेस सेल्फी भी साझा की है। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिया पर छा गये हैं। इस तस्वीर में अर्जुन अपने सिक्स पैक एब्स दिखाते दिख रहे हैं। इससे पता चलता है कि वह अपनी फिटनेस को लेकर कितने सजग हैं। अर्जुन ने अपनी जो मिरर सेल्फी शेयर की है, उसमें वो पहले के मुकाबले काफी फिट नजर आ रहे हैं। प्रशंसक भी अर्जुन का ये अंदाज देखकर बेहद उत्साहित हैं। गौरतब है कि हाल के दिनों में फिटने का खेल जगत में रुतबा बढ़ गया है। पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में फिटनेस के स्तर को ऊपर उठाने के लिए सभी को प्रेरित किया है। कोहली को देखकर ही क्रिकेटर भी आजकल अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहे हैं। इसमें कई युवा खिलाड़ी शामिल है। अब अब अर्जुन भी इसी राह पर चल रहे हैं। जहां तक खेल की बाद है। अर्जुन अभी देवधर ट्रॉफी में दक्षिणी जोन की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले साल गोवा की तरफ से रणजी ट्रॉफी खेली थी। अर्जुन ने इस साल आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से से खेला। यहां उन्हें 4 मैच ही खेलने को मिले थे जिसमें उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। एक मैच के दौरान अर्जुन को डेथ ओवर में अच्छी गेंदबाजी करने के लिए मुंबई इंडियंस की तरफ से ड्रेसिंग रूम प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला था और उन्हें ये विशेष पुरस्कार सचिन ने दिया था।

बुमराह के लिए खतरा बन रहे सिराज

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह काफी समय से टीम से बाहर हैं। अब जबकि वह फिट हो गये हैं और आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे पर उनके लिए टीम में अपनी जगह पक्की करना अब आसान नहीं होगा। इसका कारण ये है कि उनके लंबे सयम से टीम से बाहर रहने के दौरान कई युवाओं ने बेहतर प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह बनायी है। इन्हीं में से एक मोहम्मद सिराज भी हैं। सिराह ने टीम में जगह मिलने के बाद से ही बेहतर गेंदबाजी कर अपनी जगह बना ली है। वेस्टइंडीज दौरे में भी अब तक उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। एक समय तेज गेंदबाज बुमराह सबसे अहम खिलाड़ी हुआ करते थे। बुमराह के बिना तेज गेंदबाजी विभाग अधूरा माना जाता था पर अब ऐसा नहीं है और टीम उनके बिना भी जीत रही है। इसके साथ ही तेज गेंदबाजी विभाग भी मजबूती से पेश आ रहा है। बुमराह का करियर जहां चोट के चलते खतरे में पड़ा है। वहीं अन्य गेंदबाजों के लिए ये अच्छा अवसर साबित हुआ है। इसी का लाभ उठाते हुए सिराज ने अपनी जगह टीम में बनायी है अब वह बुमराह के लिए खतरा भी बन गये हैं।

सिराज अब अनुभवी हासिल करने के बाद भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बन चुके हैं। बुमराह के बाहर होने के बाद ऐसा माना जा रहा था कि टीम संभल नहीं पाएगी पर सिराज ने उनकी कमी खलने नहीं दी। सिराज पिछले कुछ समय से टीम में सीनियर तेज गेंदबाज के रूप में उतर रहे हैं। चाहे विदेशी दौर हो या घरेलू तेज गेंदबाजी की कमान सिराज के पास है। सिराज ने दमदार प्रदर्शन कर कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ का भी भरोसा हासिल कर लिया है। बुमराह के बाहर रहने के बाद सिराज अब टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। विंडीज के खिलाफ सिराज की घातक गेंदबाजी देखने को मिली थी। उन्होंने दूसरे टेस्ट पहली पारी में 60 रन देकर 5 विकेट लिए थे। सिराज ने अब तक 21 टेस्ट मैचों में 59 विकेट अपने नाम कर चुके हैं, जबकि 24 वनडे मैचों में 43 विकेट लेकर लय में हैं। सिराज की खासियत यह है कि वह कम रन देते हैं। एकदिवसीय में उनका इकोनोमी रेट 4.78 हैं जिससे पता चलता है कि उनका सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहता।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में हराकर क्लीन स्वीप किया

कोलंबो। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में एक पारी और 222 रन से हराकर 2-0 सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने चौथे दिन ही जीत हासिल कर ली। वहीं पहले टेस्ट में पाक टीम को 4 विकेट से जीत मिली थी। इसी के साथ ही पाक ने विदेशी धरती पर अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इससे पहले पाक ने विदेशी धरती पर सबसे बड़ी जीत एक दशक पहले 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ एक पारी और 184 रन की हासिल की थी। श्रीलंका को पहली पारी में 166 रन पर आउट करने के बाद पाक ने पांच विकेट पर 576 रन के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर 410 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी। पाक के नोमान की स्पिन के सामने श्रीलंकाई टीम बेबस दिखी और चौथे ही दिन अपनी दूसरी पारी में 188 रन पर सिमट गयी। अनुभवी खिलाड़ी एंजलो मैथ्यूज़ ही 63 रन बनाकर नाबाद रहे। लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिल सका। पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत में ही मोहम्मद रिज़वान का अर्द्धशतक पूरा होते ही पारी घोषित कर दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका के सलामी बल्लेबाजों ने 69 रन की साझेदारी कर दिन की अच्छी शुरुआत की पर जल्द ही नोमान अली ने मेज़बान टीम को अपने जाल में फंसा लिया। सलामी बल्लेबाज निशान मदूशंका ने 33 और डिमुथ करुणारत्ने ने 41 रन बनाये।पहली पारी में 326 गेंद पर 19 चौकों और चार छक्कों के साथ 201 रन बनाने वाले शफीक को मैन ऑफ द मैच का इनाम मिला।

पांड्या लगातार 10 ओवर गेंदबाजी नहीं कर सकते : चोपड़ा

ब्रिजटाउन । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पांच से छह ओवर गेंदबाजी तो कर सकते हैं पर वह लगातार दस ओवर नहीं फेंक सकते। चोपड़ा ने कहा, मैं हार्दिक को ऐसे व्यक्ति के रूप में देख रहा हूं जो पांच से छह ओवर कर सकता है पर लगातार दस ओवर नहीं कर सकता है। अब इस सीरीज में ही पता चलेगा कि वह इस प्रकार गेंदबाजी कर पायेंगे या नहीं। हम एकदिवसीय मैचों में यह भी पता लगाएंगे कि क्या वह आराम से गेंदबाजी कर रहे हैं या नहीं। पांड्या सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से ही अब तक पूरी ताकत से गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। गौरतब है कि इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा। इन खिलाड़ियों में टी20 के कप्तान पांड्या भी शामिल हैं भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद आयरलैंड से तीन टी20आई मैचों की सीरीज खेलेगी। इसमें युवा खिलाड़ियों को ही रखा जाएगा।

रोहित ने पहले एकदिवसीय में युवाओं को अवसर देने के अपने फैसले का बचाव किया

बारबाडोस ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में युवाओं को अवसर देने के अपने फैसले का बचाव किया है। भारतीय टीम ने इस मैच में मेजबान टीम को पांच विकेट से हराया। इस मैच में भारतीय स्पिनर छाये रहे और उन्होंने 15 में से 10 विकेट लिए। इस पिच पर काफी उछाल भी दर्ज की गयी। रोहित ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि पिच इस तरह का व्यवहार करेगी, टीम की जरूरत थी कि पहले गेंदबाजी की जाए। पिच में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के लिए सब कुछ था, हमारे खिलाड़ियों ने उन्हें कम स्कोर तक सीमित रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।' रोहित स्वयं सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए। वहीं सूर्यकुमार यादव को पहले खेलने का मौका देने के अपने फैसले पर रोहित ने कहा, , 'हम एकदिवसीय के लिए आए खिलाड़ियों को खेलने का समय देना चाहते थे, जब भी संभव होगा हम इन चीजों को आजमाते रहेंगे। उन्हें 115 रन तक सीमित रखने के बाद हम जानते थे कि हम इन खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं और उन्हें मौका दे सकते हैं।' सूर्यकुमार को नंबर तीन पर और हार्दिक पंड्या को नंबर चार पर भेजने के कदम का बचाव करते हुए रोहित ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उन्हें इस तरह के ज्यादा अवसर मिलेंगे।' उन्होंने डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की भी प्रशंसा की, जिन्होंने अपने पहले ही टेस्ट मैच में सभी को प्रभावित किया था। रोहित ने कहा, 'मुकेश ने अच्छी गेंदबाजी की। वह गेंद को अच्छी गति से स्विंग करा सकते हैं। घरेलू क्रिकेट में मैंने उन्हें ज्यादा नहीं देखा है। हालात चाहे जो भी हों, हमें उन्हें रोकने के लिए सही एरिया में गेंदबाजी करने की जरूरत है और मुझे लगा कि हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। ईशान किशन ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। ' इस मैच में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने सिर्फ छह रन देकर चार जबकि बाएं हाथ के ही स्पिनर जडेजा ने 37 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे वेस्टइंडीज की टीम 23 ओवर में ही 114 रन पर आउट हो गयी। शार्दुल ठाकुर ने 14 रन पर एक विकेट, हार्दिक पंड्या ने 17 रन पर एक विकेट और मुकेश कुमार ने 22 रन पर एक विकेट लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने ईशान के 46 गेंद में 52 रनों की सहायता से 22.5 ओवर में ही पांच विकेट पर 118 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं मेजबान वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने स्वीकार किया कि उनकी टीम उस तरह नहीं खेली जिस तरह से खेलना चाहिए था।

भारत-स्पेन महिला हॉकी टीमों का मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा

बार्सिलोना । भारतीय महिला टीम ने स्पैनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार वापसी करते हुए स्पेन को 2-2 के बराबरी पर रोक दिया। इस मैच में स्पेन की ओर से ज़ैन्टल गाइन ने 13वें मिनट में पहला गोल किया पर भारत की ओर से नवनीत कौर ने एक मिनट बाद ही 14वें में एक गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद लाइया विदोसा ने एक और गोल कर स्पेन की ओर से 26 वें मिनट में दूसरा गोल किया पर इसके तीन मिनट बाद ही भारत की ओर से नवनीत कौर ने 29 वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीक का पिछला मैच इंग्लैंड से ड्रॉ रहा था। इस मैच में स्पेन ने पहले क्वार्टर में घरेलू हालातों का अच्छा लाभ उठाते हुए तेजी से हमले किये पर भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति ने भी इसका करारा जवाब दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने जल्द से तेजी के आक्रमण कर गोल करने के प्रयास किये। क्वार्टर के अंतिम मिनटों में विदोसा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम की ओर से नवनीत ने गोल दागकर अपनी टीम को बराबरी दिलायी। वह स्पेन के डिफेंस में ड्रिब्लिंग करते हुए गोल तक पहुंचीं और गेंद को नेट में डालकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। नवनीत के गोल के बल पर भारतीय टीम दूसरे हाफ की शुरुआत में अधिक आत्मविश्वास के साथ पिच पर उतरी। अंतिम क्वार्टर में स्पेन ने एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया पर भारतीय गोलकीपर ने इससे विफल कर दिया। इससे मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

ब्राजील की जेल में दंगा भड़कने से पांच कैदियों की मौत

ब्रासीलिया । ब्राजील की जेल में दंगा भड़कने से 5 कैदियों की मौत हो गई है, जबकि अन्य कैदी घायल हो गए। ब्राज़ीलियाई राज्य क्रे की एक जेल में दिन भर चले दंगे के कारण यहां की सारी व्यवस्थाओं की पोल खुल गई है। हालांकि जेल सूत्रों ने यह जानकारी दी है। क्रे स्टेट सेक्रेटेरिएट ऑफ जस्टिस एंड पब्लिक सिक्योरिटी के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार रियो ब्रैंको शहर की एंटोनियो अमारो अल्वेस जेल में बुधवार सुबह दंगा भड़क गया। यह दंगा उस समय भड़का जब 13 कैदियों ने भागने की कोशिश की और जेल गार्डों ने जेल के बाहर उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद कैदियों ने दो गार्डों को बंधक बना लिया। एक गार्ड भागने में सफल रहा, जबकि दूसरे को गुरुवार सुबह तक कैदियों ने पकड़ रखा था। हालांकि, अधिकारियों ने दंगा शांत कर दिया है। पीड़ितों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है। पुलिस ने जेल के अंदर से 15 हथियार बरामद किए और जांच की जा रही है कि हथियारों की तस्करी कैसे की गई। गौरतलब है कि 15 साल पहले निर्मित, अधिकतम सुरक्षा वाली एंटोनियो अमारो अल्वेस जेल में 99 कैदी हैं, जो सभी आपराधिक संगठनों में शामिल हैं।

सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी मामले में महिला को फांसी

कुआलालंपुर। सिंगापुर में नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों के लिए मृत्युदंड को बंद करने के आह्वान के बावजूद सिंगापुर ने 19 वर्ष में पहली बार किसी महिला को मादक पदार्थों की तस्करी के अपराध में शुक्रवार को फांसी दी है। मादक पदार्थों की तस्करी के अपराध में इस सप्ताह यह दूसरी फांसी होगी। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि अन्य फांसी अगले सप्ताह दी जाएगी। सिंगापुर के केंद्रीय स्वापक ब्यूरो ने कहा कि सरिदेवि दिजमानी (45) को 2018 में करीब 31 ग्राम डाईमॉर्फिन या विशुद्ध हेरोइन की तस्करी के अपराध में यह सजा सुनाई गई। बयान में कहा गया कि मादक पदार्थ की इतनी मात्रा एक सप्ताह तक 370 लोगों के नशे की लत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। सिंगापुर के कानून में 500 ग्राम से अधिक गांजा और 15 ग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के दोषी व्यक्तियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। दिजमानी की फांसी से दो दिन पहले ही मोहम्मद अजीज हुसैन (56) को करीब 50 ग्राम हेरोइन की तस्करी के अपराध में फांसी दी गई थी।

ईस्टर हमले मामला :11 इस्लामी समूहों में से पांच से प्रतिबंध हटा

कोलंबो । श्रीलंका ने चार साल से अधिक समय पहले ईस्टर हमले के सिलसिले में आतंकवाद कानून के तहत प्रतिबंधित 11 इस्लामी समूहों में से पांच पर से प्रतिबंध हटाया है। श्रीलंकाई रक्षा मंत्री के रूप में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) के तहत जारी प्रतिबंध को हटाने के लिए गजट जारी किया। ईस्टर रविवार हमले की दूसरी बरसी से एक सप्ताह पहले 13 अप्रैल, 2021 को पीटीए के तहत चरमपंथी संगठनों पर प्रतिबंध धारा के तहत प्रतिबंध जारी किया है। राष्ट्रपति ने यूनाइटेड तौहीद जमात (यूटीजे), सीलोन तौहीद जमात (सीटीजे), श्रीलंका तौहीद जमात (एसएलटीजे), ऑल सीलोन तौहीद जमात (एसीटीजे), सुन्नथुल मोहोमादिया और जमियाथुल अंसारी पर लगे प्रतिबंध को रद्द कर दिया। कैथोलिक चर्च और लोगों द्वारा 19 अप्रैल 2019 को राजधानी कोलंबो में तीन चर्चों और तीन स्टार-क्लास होटलों पर पहली बार समन्वित आत्मघाती बम हमलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के दबाव के बीच राष्ट्रपति गोटबाया ने संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था। हमलों में विदेशियों सहित लगभग 270 लोग मारे गए और 500 से अधिक घायल हो गए। हमलों की जांच स पता चला कि भारत की खुफिया सेवाओं ने हमलों से दो सप्ताह से अधिक पहले श्रीलंकाई खुफिया नेताओं को हमले के विवरण के साथ सतर्क कर दिया था, लेकिन श्रीलंकाई समकक्ष उन पर कार्रवाई करने में विफल रहे थे। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना और चार अन्य वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों को हमलों को रोकने में उनकी लापरवाही के लिए दोषी पाया।

तूफान की चपेट में आने से नाव डूबी, 30 की मौत, 40 यात्रियों को सुरक्षित निकाला

मनीला । भयंकर तूफान की चपेट में आने से एक नाव डूब गई, जिसमें सवार 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि अनेक लोग अभी भी लापता हैं। मिली जानकारी के अनुसार फिलीपीन की राजधानी मनीला के पास गुरुवार को एक झील में नाव पलट गई थी। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 40 यात्रियों को बचा लिया गया है, जबकि कइयों के ढूंढने का प्रयास जारी है। बताया जा रहा है कि नाव तेज हवाओं के कारण रिजाल प्रांत के बिननगोनन के पास लागुना डी खाड़ी में डूब गई। फिलीपीन तट रक्षक (पीसीजी) ने कहा कि एमबीसीए प्रिंसेस अया बिननगोनन बंदरगाह से लगभग 50 गज की दूरी पर यह नाव पलट गई। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब 1 बजे हुई जब मोटर चालित नाव तेज हवाओं से टकरा गई, जिससे यात्री घबरा गए और बंदरगाह की ओर समूह बनाकर चले गए, तभी यह नाव पलट गई। बता दें कि फिलीपीन इस समय शक्तिशाली तूफान डोक्सुरी फिलीपींस से गुजर रहा है। हालांकि फिलहाल बचाए गए व्यक्तियों और हताहतों की संख्या को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है और अभी भी जांच की जा रही है। फिलीपीन तट रक्षक (पीसीजी) के एक अधिकारी ने कहा कि बचाए गए और हताहतों की संख्या अभी तक नहीं गिनी गई है, क्योंकि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। गौरतलब है कि इस साल मार्च में भी फिलीपींस के दक्षिणी बंगसामोरो क्षेत्र के बेसिलन प्रांत में बड़ा हादसा हुआ था। इस हादसे में एक नाव में आग लगने से कम से कम 31 लोगों की जान चली गई थी।

मुहर्रम से पहले धार्मिक स्थल के पास बम विस्फोट, 6 लोगों की मौत

सीरियाई राज्य मीडिया ने बताया कि 27 जुलाई को सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिण में सैयदा ज़ैनब तीर्थ शहर के बाहर एक वाहन में रखा गया बम विस्फोट हो गया, जिसमें कई लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। सीरियाई राज्य टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में एक जली हुई कार और पास की एक क्षतिग्रस्त इमारत पर पानी छिड़कते हुए दिखाया गया है। एक निवासी ने रॉयटर्स को बताया कि उसने शाम करीब साढ़े पांच बजे एक जोरदार विस्फोट सुना। (1430 जीएमटी), जिसके बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को सील कर दिया। इस सप्ताह दरगाह पर यह दूसरा हमला था। मंगलवार को एक अलग विस्फोट में दो लोग घायल हो गये। यह तीर्थस्थल के लिए उच्च मौसम है क्योंकि शिया मुसलमान आशूरा के शोक की अवधि को चिह्नित करने के लिए वहां आते हैं। गुरुवार को हुए हमले की जिम्मेदारी का तत्काल कोई दावा नहीं किया गया। इस्लामिक स्टेट समूह ने साइट पर पिछले हमलों का दावा किया है। 2017 में एक हमले में कम से कम 40 लोग मारे गए।

गर्मी में शरीर को ठंडा रखेगी फैन जैकेट

टोक्यो । जापान में गर्मी से बचने के लिए एक ऐसी जैकेट तैयार की गई है। जो 60 घंटे तक भीषण गर्मी से बचाने के लिए उपयोगी होगी। एयर कंडीशंड जैकेट का नाम फैन जैककोटो रखा गया है। इसके अंदर चारों और पंखे लगे हुए हैं। इसे पहनने वाला अपनी इच्छानुसार तापमान सेट कर सकता है। जैकेट के अंदर ऑटोमेटिक तरीके से तापमान को नियंत्रित किया जाता है। एक बार बैटरी चार्ज करने में इसे 60 घंटे तक चलाया जा सकता है।

यूनान में जंगल की आग बुझाने के लिए जहाज से पानी की बौछारें की गयीं।

चीन के स्टेपल वीजा पर थरूर ने बोला, तिब्बत से आवेदकों के साथ भी हमें ऐसा ही करना चाहिए

नई दिल्ली। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को स्टेप्ल वीजा दिए जाने पर भारत-चीन के बीच ताजा कूटनीतिक टकराव के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत को तिब्बत से भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ ऐसा ही करना चाहिए। चीन के इस कदम का नई दिल्ली ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि अरुणाचल के खिलाड़ियों को स्टेपल वीजा जारी करना अस्वीकार्य है। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने ट्वीट करते हुए कहा कि बहुत हो गया। शशि थरूर ने कहा कि अब बहुत हो गया है। अपने खिलाड़ियों और चीनी वीज़ा चाहने वाले हर दूसरे अरुणाचली को निराश करने के बजाय, हमें तिब्बत से भारतीय वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति को स्वयं स्टेपल वीज़ा जारी करना शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम तब तक ऐसा करना जारी रखेंगे जब तक कि तिब्बत और भारत के बीच विवादित सीमा का समाधान नहीं हो जाता। स्टेपल्ड वीज़ा दर्शाता है कि चीन अरुणाचल प्रदेश पर भारत की संप्रभुता को मान्यता नहीं देता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ऐसी कार्रवाइयों पर उचित प्रतिक्रिया देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। अरुणाचल प्रदेश से संबंधित तीन एथलीटो, को चीनी अधिकारियों द्वारा स्टेपल वीजा दिया गया। स्टेपल्ड वीज़ा जारी करना भारत-चीन संबंधों में विवाद का विषय रहा है। चीन, जिसने बार-बार अरुणाचल प्रदेश पर क्षेत्रीय दावे किए हैं।

थमेंगी जंग, दोस्त बनेंगे जेलेंस्की और पुतिन, युद्ध खत्म करने के प्रस्ताव पर रूस कर रहा है मंथन

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग को डेढ़ बरस से ज्यादा गुजर चुके हैं। तबाही का मंजर यूक्रेन को देखना पड़ा है वहीं बर्बादी रूस की भी बहुत हुई है। मॉस्को ने जब कीव के खिलाफ एलान-ए-जंग किया था तो राष्ट्रपति पुतिन को भी ये अंदाजा नहीं होगा कि यूरोपीय देशों के समूह से सीधी टक्कर लेने वाले रूस से मुकाबले में यूक्रेन इतने दिनों तक टिका रह जाएगा। लेकिन अमेरिका और नाटो देशों के सहयोग से न केवल यूक्रेन अभी तक जंग में डटा हुआ है बल्कि मुंहतोड़ जवाब देता भी नजर आ रहा है। दुनिया के तमाम देशों की

तरफ से इस युद्ध को खत्म करवाने की भी कोशिश हुई। भारत ने रूसी राष्ट्रपति को दो टूक कहा भी कि ये युद्ध का दौर नहीं है। वहीं चीन की तरफ से भी मध्यस्थता की बात कही जाती रही है।

इसी बात रूस यूक्रेन जंग को लेकर पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा है कि रूस यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अफ्रीकी प्रस्तावों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अफ्रीकी नेताओं से कहा कि मास्को यूक्रेन पर उनके शांति प्रस्ताव का सम्मान करता है और उसका सावधानी पूर्वक अध्ययन कर रहा है। डेढ़ साल से ज्यादा समय से रूस और यूक्रेन के बीच जंग चल रही है और अफ्रीकी समुदाय की ओर से जो अपील की गई है। रूस ने कहा है कि वो इस पर सावधानीपूर्वक अध्ययन कर रहा है।

शहबाज के करीबी का खुलासा, भारत के पंजाब में पाकिस्तान ड्रोन से गिरा रहा ड्रग्स

लाहौर (एजेंसी)। भारत के सीमाप्रांत पंजाब में पाकिस्तान ही ड्रोन से ड्रग्स गिरा रहा है। इसका खुलासा पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के करीबी और सरकार में एक बड़े पद पर तैनात नेता ने किया है। उन्होंने एक टीवी चैनल को बताया कि पाकिस्तानी तस्कर सीमा पार से भारत में ड्रग्स भेजने के लिए ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। यह पहली बार है कि जब पाकिस्तान के किसी बड़े पद पर बैठे शख्स ने कैमरे के सामने कबूल किया कि पाकिस्तानी तस्कर नशीले सामान भारत के इलाके में डालने के लिए हाई-टेक साधनों का उपयोग कर रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष रक्षा सहायक मलिक मोहम्मद अहमद खान ने भारत के पंजाब की सीमा से लगे कसूर शहर में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। खान कसूर से प्रांतीय विधानसभा (एमपीए) के सदस्य भी हैं। 17 जुलाई को ट्वीट किए गए एक वीडियो में खान से हामिद मीर कसूर में सीमा पार से हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। जिस पर खान सहमति जताते दिखाई दे हैं।

जवाब देते हुए खान ने कहा कि 'हां, और यह बहुत डरावना है। हाल ही में दो घटनाएं हुई हैं। जिनमें हर ड्रोन में 10 किलोग्राम हेरोइन बांधकर बाहर फेंक दी गई थी। एजेंसियां इसे रोकने की कोशिश कर रही हैं।' बताया जाता है कि मलिक मोहम्मद अहमद खान कसूर से एमपीए हैं और वह पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य प्रतिष्ठान के बहुत करीब हैं। वह पिछले सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और सेना के मौजूदा जनरलों के भी बहुत करीब हैं। इस वीडियो को कैप्शन देते हुए मीर ने बाद में लिखा कि 'पीएम के सलाहकार मलिक मुहम्मद अहमद खान द्वारा बड़ा खुलासा। तस्कर हेरोइन पहुंचाने के लिए पाकिस्तान-भारत सीमा के पास कसूर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज की मांग की, अन्यथा पीड़ित तस्करों से जुड़ जाएंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के पंजाब का कसूर जिला भारत के पंजाब के खेमकरण और फिरोजपुर के ठीक सामने है। पंजाब पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अकेले फिरोजपुर जिले में जुलाई 2022-2023 तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 795 एफआईआर दर्ज की गईं। आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादातर ड्रग्स पंजाब के उन जिलों से जब्त की गईं जो पाकिस्तान की सीमा से लगे हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की दूत रुचिरा कंबोज ने संभाला सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष पद

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष पद संभाल लिया। सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष पद संभालने के बाद कंबोज ने बृहस्पतिवार को एक ट्वीट में कहा, ''भारत इसका अध्यक्ष बन कर गर्व महसूस कर रहा है और अपने मूल सिद्धांतों के साथ नेतृत्व करने, वैश्विक समुदाय के कल्याण और समृद्धि के लिए लगन से काम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है।'' संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक बयान में कहा कि कंबोज ने जो पद संभाला है उसके तहत उनकी भूमिका सामाजिक विकास मामलों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। स्थायी मिशन के बयान में कहा गया है कि इस साल 15 फरवरी को सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में भारत का चुनाव एक ''महत्वपूर्ण अवसर'' है क्योंकि 1975 के बाद यह पहली बार है कि भारत ने सामाजिक विकास आयोग के भीतर यह पद संभाला है।

अंजू का छलका दद...मुझे आने लायक नहीं छोड़ा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां पहुंची अंजू ने फिर भारतीय मीडिया से बात की है। अंजू ने जो कुछ कहा है उसके बाद लगता है कि वह वापस लौटने का इरादा छोड़ चुकी हैं। अंजू का कहना हैं कि भारत आने पर उसकी गारंटी कौन लेगा। उनके जवाबों से लगता है कि उन्हें भारत लौटने के बाद अपनी जान का डर सता रहा है।

अंजू ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उनके बारे में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। अब न उनके रिश्तेदार उन्हें स्वीकार करने वाले हैं, और न ही उनके बच्चे उन्हें अपनाएंगे। अंजू ने साफ कहा है कि वह पाकिस्तान में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उनके ऊपर नसरुल्ला या फिर किसी और का कोई दबाव नहीं है और वह पूरी आजादी के साथ रह रही हैं। अंजू की मुलाकात फेसबुक पर खैबर पख्तूनख्वां के रहने वाले नसरुल्ला से हुई थी। वह पिछले दिनों एक महीने के वैध वीजा पर पाकिस्तान पहुंची हैं। अंजू को 20 अगस्त को वापस आना था लेकिन अब लगता है कि वह भारत नहीं लौटेंगी। भारत में अंजू के पिता ने उनसे सारे संबंध खत्म करने की बात कही है।

अंजू से पूछा गया था कि वह दो दिन में भारत लौटने वाली थी, तब अब उसका क्या हुआ? इस पर अंजू ने कहा, आप लोग मेरे बारे में क्या-क्या कह रहे हैं। मुझे आने लायक नहीं छोड़ा हैं। वहां पर कौन मेरी गारंटी लेगा। न मेरे रिश्तेदार मुझे स्वीकार करने वाले हैं, और न ही बच्चे अपनाएंगे तब बताइए मैं कहां जाऊंगी।

उनके बारे में सोशल मीडिया पर काफी कुछ कहा जा रहा है। उन्होंने धमकाने वाले अंदाज में कहा कि वह अभी भारत की ही हैं और यह न समझा जाए कि वह कुछ नहीं कर सकती हैं। उनके शब्दों में, मैं सबको बता दूंगी कि मैं क्या कर सकती हूं। जब अंजू से पूछ गया कि वह पाकिस्तान जाकर छुप गई और सारा आरोप मीडिया पर लगा रही हैं? अंजू ने जवाब दिया कि कौन पाकिस्तान नहीं आता है? क्या टूरिस्ट्स इस देश में नहीं आते हैं। जब वहां सब आते हैं, तब अगर वह पाकिस्तान आ गईं, तब कौन सी आफत आ गई।

रूस-अफ्रीका सम्मेलन को संबोधित कर पुतिन ने कहा, हमारी कोशिश दुनिया में खाद्यान्न संकट पैदा ना हो

मास्को (एजेंसी)। रूस को बाकी दुनिया से अलग रखने की अमेरिका और पश्चिमी देशों की मंशा को जोरदार झटका लगा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सेंट पीटर्सबर्ग में 27-28 जुलाई को रूस-अफ्रीका सम्मेलन का आयोजन चल रहा है। रूस करीब 50 अफ्रीकी देशों की मेजबानी कर रहा है, जो कृषि उत्पादों और सुरक्षा के लिए रूस पर अत्यधिक निर्भर हैं। रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग के बाद ये पहली दफा है, जब इतनी बड़ी तादाद में तमाम मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों का जुटान हो रहा है। इसके पहले अक्टूबर 2019 में पहला रूस अफ्रीका सम्मेलन हुआ था।

पहली बार पुतिन ने जुलाई 2018 में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स के नेताओं की बैठक के दौरान रूस अफ्रीकी सहयोग के लिए एक मंच बनाने के विचार को साझा किया था। 24 अक्टूबर 2019 को रूस और अफ्रीकी देशों की एक संयुक्त विज्ञप्ति के तहत रूसी अफ्रीकी संबंधों के विकास के समन्वय के उद्देश्य से रूस अफ्रीका साझेदारी फोरम की स्थापना की गई। पुतिन ने ज्यादातर अफ्रीकी देशों के नेताओं और अधिकारियों से कहा कि उनका देश इस बात की पूरी कोशिश कर रहा है कि दुनिया में खाद्यान्न संकट पैदा न हो। यूक्रेन से खाद्यान्न आपूर्ति की खेप की आवाजाही की अनुमति देने वाले समझौते से रूस के बाहर होने के बाद पूरी दुनिया में खाद्यान्न

संकट पैदा होने और अनाज के दाम बढ़ने की आशंका है। पुतिन ने उद्घाटन सत्र में यह बात कही। हालांकि, 2019 के मुकाबले सम्मेलन में भाग ले रहे अफ्रीकी देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकारी अधिकारियों की संख्या काफी कम थी। पुतिन ने कहा कि हमारा देश अपनी मानवीय आपूर्ति के माध्यम से जरूरतमंद देशों और क्षेत्रों की सहायता करना जारी रखेगा। हम संसाधनों के संतुलित वितरण की निष्पक्ष प्रणाली बनाने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं। दुनिया में खाद्यान्न संकट पैदा न हो, हम इसकी पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं कि हमारा देश यूक्रेन के अनाज का विकल्प बन सकता है, फिर चाहे पर व्यावसायिक श्रेणी में हो या फिर जरूरतमंद अफ्रीकी देशों को सहायता देने के रूप में। खास तौर से इस साल जब फिर से हम रिकॉर्ड मात्रा में फसल होने की अपेक्षा कर रहे हैं।

पिछले माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस सहित जी 20 के तमाम सदस्य देशों को पत्र लिखकर अफ्रीकी यूनियन को जी20 में शामिल करने का प्रस्ताव दिया था। इस साल भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। रूस ने भारत के इस पहला पर अपना समर्थन जताया था।

बड़ी तादाद में कुरान जलाने की कोशिश, विरोधकर्ताओं ने सरकार से मांगी इजाजत

-सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी, स्वीडन के पीएम क्रिस्टर्सन ने 15 एजेंसियों को किया अलर्ट

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन में लोग बड़ी तादाद में कुरान जलाने के लिए सरकार से अनुमति मांग रहे हैं। इससे देश की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि आतंकी हमले भी हो सकते हैं। गौरतलब है कि स्वीडन में एक के बाद एक कुरान जलाने की घटनाओं के बाद पहले से ही देश में तनाव है। इसके बीच ही मुसलमानों के पवित्र ग्रंथ को जलाने के लिए कई और लोगों ने अनुमति मांगी है। इस पर प्रधानमंत्री डलफ क्रिस्टर्सन ने कहा है कि भारी संख्या में लोगों ने इस ग्रंथ का अपमान करने के लिए आवेदन किया है। इसके बाद से ही क्रिस्टर्सन देश की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा है कि अगर देश में कुरान को लेकर और ज़्यादा विरोध हुआ तो फिर इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। इसके बाद से ही देश को अलर्ट पर रखा गया है। इधर स्वीडिश पीएम क्रिस्टर्सन ने कहा कि अगर इन लोगों को मंजूरी दी गई तो फिर हमें कुछ ऐसे दिनों का सामना करना पड़ेगा जहां कुछ बड़ी घटना होने का खतरा बढ़ जाएगा। मैं इस बात को लेकर बेहद चिंतित हूं कि इसका क्या परिणाम हो सकता है। कुरान के अपमान से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद देश में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। देश की सरकार ने स्वीडन में आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 15 सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिए हैं।

बताया जा रहा है कि कुरान जलाने की वजह से स्वीडन का कई मध्य पूर्वी देशों के साथ तनाव बढ़ गया है। पीएम क्रिस्टर्सन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि हाल की विनाशकारी घटनाओं, विशेष रूप से आगजनी, ने स्वीडन के लिए जोखिम बढ़ा दिया है। स्वीडिश सिक्योरिटी सर्विस के अनुसार, हम आतंकी हमलों का अब प्राथमिक लक्ष्य बन गए हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि स्थिति बहुत गंभीर है। स्वीडन की सशस्त्र सेनाओं, कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों और स्वीडिश टैक्स एजेंसी सहित 15 सरकारी एजेंसियों को सिक्योरिटी सर्विस की अगुवाई में अपने काम को तेज करने का जिम्मा सौंपा है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रोमर ने कहा कि यह कदम स्वीडन में आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद को रोकने और उसे बाधित करने की क्षमता को मजबूत करने का प्रयास करेगा। स्वीडन में हाल के कुछ हफ्तों में कई विरोध प्रदर्शन हुए हैं जहां कुरान की कई कॉपियों को या तो नुकसान पहुंचाया गया है या

फिर उन्हें जला दिया गया है। इन घटनाओं की वजह से मुसलमानों में नाराजगी है। यह घोषणा स्वीडन की सरकार द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई है कि देश दुष्प्रचार अभियानों का लक्ष्य बन गया है। देश के विदेश मंत्री टोबियास बिलस्ट्रॉम ने कहा है कि स्वीडन का कानून कुरान जलाने की मंजूरी नहीं देता है या इसकी निंदा नहीं करता है।

आठ माह के बेटे को बेचकर खरीदा आईफोन, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता। मोबाइल से रील्स बनाने के शौकीन माता पिता ने अपने आठ माह के बच्चे को ही बेच दिया, ताकि आईफोन-14 खरीदकर बढ़िया रील्स बना सकें। लेकिन सूचना मिलते ही पुलिस ने मां को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल का यह हैरान कर देने वाला मामला है। जहां बेटे की चाहत के लिए मां-बाप भगवान से लाखों मिन्नतें करते है वहीं एक माता-पिता ने आईफोन 14 खरीदने के लिए अपने 8 माह के मासूम बेटे को बेच दिया। मामला पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना का है। वहीं अब माता-पिता बड़े ही शौक से इंस्टाग्राम पर रील्स बना रहे है। दरअसल, यह कपल रील्स बनाने का इतना शौकिन है कि वह वीडियो बनाने के लिए आईफोन 14 खरीदना चाहते थे, लेकिन इसके लिए पैसे न होने पर दोनों ने सारी हदें पार कर दी और अपने 8 महीनें के बच्चे को बेच दिया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने बच्चे को बरामद कर उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि बच्चे को बेचने के बाद मां-बाप आजादी से रील्स बना रहे थे। पुलिस ने बच्चे की मां और बच्चे को खरीदने वाली महिला प्रियंका घोष दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, बच्चे का पिता जयदेव अभी फरार है पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इस मामले का खुलासा उस समय हुआ जब पड़ोसियों ने दोनों को ऑब्जर्व किया कि इस कपल का व्यवहार कुछ बदला-बदला है। फिर इनका 8 माह का बच्चा भी किसी को नजर नहीं आया। ऐसे में शक बढ़ने पर किसी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जब इस मामले की जांच की और सख्ती से मां से पूछा की बच्चा कहां है तो उसने सारा राज उगल दिया। हालांकि पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

केरल में ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर में फिर लगी आग

तिरुवनंतपुरम। ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में रहता है। कई बार इसके इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को लेकर आग लगने की घटनाएं भी सामने आती हैं। हाल ही में केरल के तिरुवनंतपुरम से ओला एस 1 में आग लगने की घटना सामने आई है। घटना सुबह तीन बजे हुई, लेकिन इसके पीछे का कारण अभी पता नहीं लग सका है। मामले में मीडिया कंपनी के हस्ताक्षेप के बाद वाहन को बदलने की पेशकश की है। आग लगने के अलावा ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर के फ्रंट फोर्क के टूटने की भी कई घटनाएं देखी गई हैं। बाद में इस कंपनी द्वारा ठीक किया गया है। ओला के अलावा भी कई अन्य कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में भी आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मामला इतना गंभीर हो गया कि मोदी सरकार ने इस मामले की जांच शुरू कर दी। यह जांच रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के तहत एक इकाई, अग्नि, विस्फोटक और पर्यावरण सुरक्षा केंद्र द्वारा की गई थी।

तेलंगाना में बाढ़ में बहे 5 लोगों के शव मिले...8 अभी लापता

हैदराबाद। तेलंगाना में बाढ़ में बह गए पांच लोगों के शव शुक्रवार को मिले, जबकि आठ लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। मुलुगु जिले में स्थित एतुर्नागाराम गांव के आठ लोग जम्पन्ना वगु में बह गए थे। तडवई मंडल में मेदाराम के पास चार लोगों के शव मिले हैं। वहीं खम्मम जिले में बहे एक व्यक्ति का शव भी शुक्रवार को मिला। मुन्नेरु नदी में बहे एक अन्य व्यक्ति की भी तलाश जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने वारंगल शहर के तीन युवकों की तलाश की, जो गुरुवार को लापता हो गए थे। ये म्यूजिकल गार्डन के पास मछली पकड़ने गए थे लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद उनके परिजनों ने अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। उत्तरी तेलंगाना में भारी बारिश और बाढ़ ने जमकर कहर बरपाया। झीलों, टैंकों और सिंचाई परियोजनाओं में पानी भर जाने से वारंगल, हनुमाकोंडा और खम्मम कस्बों के 100 से अधिक गांवों और कई निचले इलाकों में पानी भर गया। अचानक आई बाढ़ से दर्जनों गांवों का सड़क संपर्क टूट गया। एनडीआरएफ ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और पुलिस की मदद से जयशंकर भूपालपल्ली जिले के मोरंचापल्ली गांव से 1,900 लोगों को बचाया। एनडीआरएफ ने खम्मम जिले में मुन्नेरु नदी में फंसे सात लोगों को भी बचाया। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि 108 गांवों के 10,696 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। शांति कुमारी ने कहा कि भूपालपल्ली जिले के मोरंचापल्ली गांव के 600 लोगों और पेद्दापल्ली जिले के मंथनी के गोपालपुर के पास एक रेत खदान में फंसे 19 श्रमिकों को बचाया गया और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस बीच, वारंगल और हनुमाकोंडा शहरों में 200 से अधिक कॉलोनियां जलमग्न रहीं।

20 किमी की समाजवादी-विकास रोजगार यात्रा निकालेंगे अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव 6 अगस्त को कन्नौज में समाजवादी-विकास रोजगार यात्रा निकालेंगे। यह यात्रा कन्नौज में काऊ मिल्क प्लांट से मंडी तक जाएगी। करीब 20 किमी के इस रूट पर अखिलेश लोगों से मिलेंगे और संवाद भी करेंगे। हालांकि यात्रा का फोकस सपा सरकार द्वारा कन्नौज में शुरू किए गए विकास कार्यों और उनकी मौजूदा स्थितियों को दिखाने पर होगा। गौरतलब है कि अखिलेश यादव वर्ष 2000 में पहली बार कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर सांसद बने थे। जबकि 2012 से यहां अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सांसद थीं। वहीं 2019 में भाजपा के सुब्रत पाठक ने डिंपल को हराकर यह सीट समाजवादियों से छीन ली थी। सूत्रों के अनुसार, अखिलेश एक बार फिर कन्नौज से चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में है। वहां के कार्यक्रमों में उन्होंने इसका इशारा भी किया है। यही वजह है कि कन्नौज में अखिलेश की सक्रियता भी बढ़ी है। इसी कड़ी में अब वह यात्रा निकालने जा रहे हैं। इस मामले में सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी का कहना है कि यह यात्रा भाजपा सरकार के दौर में कन्नौज सहित पूरे प्रदेश में विकास कार्यों की बर्बादी को रेखांकित करेगी। अखिलेश ने कन्नौज के विकास के लिए दूरदर्शी नीतियां अपनाते हुए कई कदम उठाए थे। इत्र म्यूजियम बनाने की योजना बनाई थी।

फ्लाइट में महिला डॉक्टर से प्रोफेसर ने कर दी छेड़खानी, हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली। फ्लाइट में महिला डॉक्टर से प्रोफेसर द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार यह मामला दिल्ली से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट का बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली-मुंबई इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान में 24 वर्षीय डॉक्टर के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 47 वर्षीय प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने कहा कि प्रोफेसर रोहित श्रीवास्तव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। सहार पुलिस के अनुसार, पटना के रहने वाले श्रीवास्तव और दिल्ली की महिला डॉक्टर, बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे दिल्ली से उड़ान भरने वाली फ्लाइट में एक-दूसरे के बगल में बैठे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यात्रा के दौरान श्रीवास्तव ने जानबूझकर उसे अनुचित तरीके से छुआ। कथित घटना फ्लाइट के लैंड करने से ठीक पहले हुई थी। अधिकारी ने कहा कि दो को-पैसेंजर के बीच बहस हो गई और चालक दल को हस्तक्षेप करना पड़ा। फ्लाइट के उतरने के बाद अधिकारी दोनों यात्रियों को सहार पुलिस स्टेशन ले गए, जहां एफआईआर दर्ज की गई और महिला डॉक्टर का बयान दर्ज किया गया। श्रीवास्तव पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) और 354ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा ?कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद, श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

कचरा बीनने वाली 11 महिलाओं ने जीती 10 करोड़ की लॉटरी

मलप्पुरम। स्थानीय नगर पालिका की प्लास्टिक कचरा बीनने वाली इकाई में काम कर रही ग्यारह महिला कामगारों को कभी सपने में भी उम्मीद नहीं रही होगी जिस लाटरी टिकट को उनमें से प्रत्येक ने 25 रुपये से भी कम धन देकर खरीदा था, वह उन्हें 10 करोड़ रुपये का जैकपॉट दिलवा देगी। इन 11 महिलाओं ने कुल 250 रुपये देकर लाटरी का टिकट खरीदा था। जब खबर आई तब ये 11 महिलाएं गोदाम में घरों से एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे को अलग कर रही थीं।

पीएम, गृहमंत्री व 28 गवर्नरों समेत 30 लोग चला रहे हैं पूरा देश: भगवंत मान

-राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के निलंबन पर पंजाब के सीएम ने एनडीए को घेरा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि देश को पीएम, गृहमंत्री व 28 गवर्नर सहित केवल 30 लोग चला रहे हैं, बाकी को तो बोलने तक का अधिकार नहीं है। यह बात पंजाब के सीएम ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निलंबन पर कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार देश में विपक्ष की आवाज़ दबाकर नफ़रत की राजनीति को उत्साहित कर रही है। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के निलंबन के रोष में संसद सदस्यों के प्रदर्शन में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ताधारी गठजोड़ ने संसद सदस्यों को जनता का मुद्दा उठाने की इजाज़त नहीं दी। उन्होंने कहा कि यदि अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए कोई सांसद सदन के बीच आता है तो उसे गैरकानूनी ढंग से निलंबित कर दिया जाता है, जो बहुत शर्मनाक है। लोकतंत्र के मंदिर में भी लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों की आवाज़ दबाने का यह तानाशाही ढंग गैरवाज़िब है।

पंजाब के सीएम ने कहाकि इस तानाशाही शासन में राजनीतिक स्वार्थ के लिए विरोधी पक्ष को चुप करवाना कोई नई बात नहीं है। पिछले नौ वर्षों में सत्ताधारी गठजोड़ द्वारा कई तरह के हथकंडे अपना कर विरोधी पक्ष को पूरी तरह अनदेखा किया गया है। सभी सदस्यों की सहमति लेने की परवाह किए बिना सदन में हंगामा कर बिल पास कर दिए जाते हैं और यह पूरे लोकतंत्र पर कलंक है। जिन सांसदों का जमीर अभी जिंदा है वह सभी संसद मेंबर संजय सिंह के साथ हैं और यहाँ धरना दे रहे हैं। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री मन की बात' में अपनी बात करना पसंद करते हैं परन्तु वह देश के लोगों की बात सुनने के लिए कभी भी तैयार नहीं होते। सीएम ने कहा कि मोदी एंड कंपनी देश में लोकतंत्र को खतरे में डाल रही है। अगर देश को प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और उनके 28 राज्यपालों सहित 30 लोगों ने ही चलाना है तो मतदान करवाने पर पैसा क्यों बरबाद क्यों किया जाए। लोकतंत्र में यह ख़तरनाक रुझान है, जिसको तुरंत रोकने की ज़रूरत है।

सीएम मान ने कहाकि मणिपुर में घटी शर्मनाक घटना भाजपा की बांटने और नफ़रत वाली नीति का नतीजा है। यह देश और इसके लोगों के हित में नहीं है क्योंकि इस नीति के बुरे निष्कर्ष सामने आएंगे। अमन- कानून की स्थिति पूरी तरह खराब होने के कारण मणिपुर में तुरंत राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल मणिपुर में तब क्या कर रहे थे, जब कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी थी। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों विशेषकर गैर-भाजपा शासित राज्यों के राज्यपाल राज्य के रोजाना के मामलों में गैरज़रूरी दखलअंदाज़ी कर रहे है और चुनी हुई सरकारों को काम नहीं करने दे रहे। इसके विपरीत मणिपुर के राज्यपाल राज्य में हुई घिनौनी घटनाओं को सिर्फ़ मूक दर्शक बन कर देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भारत के राष्ट्रपति को मणिपुर में हो रही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का खुद नोटिस लेकर राष्ट्रपति शासन लागू करने की अपील की।

अठावले ने मजाकिया अंदाज में खरगे को क्यों कहा खलनायक

नई दिल्ली। मणिपुर घटना को लेकर संसद में इन दिनों हंगामा बरपा हुआ है। विपक्ष जहां कह रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर जवाब दें, वहीं मोदी सरकार का कहना है कि हम चर्चा को तैयार हैं, इसके बावजूद भी मानसून सत्र शांतिपूर्ण नहीं चल पा रहा है। हंगामे के बीच राज्यसभा में गुरुवार को एक हल्का पल ऐसा भी देखा गया जब केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने अपनी क्लासिक बॉलीवुड वाली अनूठी शैली में सदन को संबोधित किया। सिनेमैटोग्राफी (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा के दौरान, अठावले ने एक कविता सुनाकर विधेयक के साथ-साथ सदन के सामान्य माहौल पर टिप्पणी की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिनेमा का इतना बहुत अच्छा आ गया है बिलज्लेकिन हमारे मल्लिकार्जुन खड़गे, जो इस सदन के खलनायक हैं, वहां यहां नहीं हैंज्इसलिए मुझे हो रहा है फीलज् सिनेमैटोग्राफी बिल पेश किया गया है, हालांकि खड़गे, 'खलनायक' यहां सदन में नहीं हैं, इसलिए मैं महसूस कर सकता हूंज्)। इसके बाद सदन में हंसी गूंज उठी। खड़गे पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री अठावले की टिप्पणी मणिपुर विरोध के बीच उच्च सदन से विपक्ष के बहिर्गमन के संदर्भ में थी। कुछ ही देर बाद सदन के उपाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री को रोका। अठावले ने कहा, 'ज्2024 में इंडिया की रात होगी कालीज्इसलिए इस बिल के लिए मैं अनुराग ठाकुर को देता हूं तालीज् 2024 में इंडिया को हार का सामना करना पड़ेगा और मैं ठाकुर को बिल के लिए बधाई देता हूं)। उन्होंने बिल का बचाव कर उसकी प्रासंगिकता का हवाला देकर अपना बाकी संबोधन भी उसी अंदाज में जारी रखा।

मुंबई में 25 और 26 अगस्त को हो सकती है विपक्षी दलों की बैठक

संयोजक के नाम का ऐलान संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस) गठबंधन की अगले दौर की बैठक 25, 26 अगस्त को मुंबई में होने की संभावना है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है। पिछले दो महीने में विपक्षी दलों की यह तीसरी बैठक होगी। ऐसी पहली बैठक पटना में और दूसरी बेंगलुरु में हुई थी। 26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेता बेंगलुरु और पटना के बाद दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में भाग लेंगे, जहां उनके न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर काम शुरू करने और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त आंदोलन योजना की घोषणा करने की संभावना है।

सोनिया गांधी हुईं थी शामिल

जहां 23 जून को पटना में कुमार द्वारा आयोजित विपक्षी एकता के लिए पंद्रह दलों ने बैठक में भाग लिया, वहीं बेंगलुरु में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की दूसरी बैठक में शामिल होना मुख्य आकर्षण था। पटना में जहां विपक्षी दल पहली बार एक मंच पर आए तो वहीं बेंगलुरु में कई बड़े निर्णय लिए गए। बेंगलुरु में ही 26 विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया)' रखने का फैसला किया था। साथ ही साथ यह भी कहा गया था कि इस गठबंधन का एक संयोजक होगा और 11 सदस्यीय समन्वय समिति होगी।

खड़गे ने क्या कहा था

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि 'इंडिया' के घटक दलों की अगली बैठक मुंबई में होगी जहां गठबंधन के संयोजक और समन्वय समिति के सदस्यों का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि विपक्षी गठबंधन में 11 सदस्यों की एक समन्वय समिति बनाई जाएगी और महाराष्ट्र के मुंबई में होने वाली अगली बैठक में इसके सदस्यों के नामों की घोषणा की जाएगी। खरगे ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव प्रचार के प्रबंधन के लिए दिल्ली में एक साझा सचिवालय बनाया जाएगा। उन्होंने कहा था कि देश और देश के लोगों को बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए हमने आपसी मतभेदों को पीछे रखने का फैसला किया है।

यूपी की 80 सीटे जीतने की तैयारी में जुटी भाजपा, पीएम मोदी ने संभाली कमान

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों और रोडमैप पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों के साथ 31 जुलाई से 9 अगस्त तक नई दिल्ली में क्रमबद्ध बैठक करने वाले हैं। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी 31 जुलाई और 2 अगस्त को शाम 6.30 बजे यूपी के सांसदों के साथ बैठक करने वाले हैं। पीएम मोदी 31 जुलाई को भाजपा के पश्चिम, ब्रज व कानपुर-बुंदलेखंड क्षेत्रों और 2 अगस्त को अवध, काशी और गोरखपुर क्षेत्रों के सांसदों के साथ बैठक करने वाले हैं। पीएम मोदी बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार की जा रही रणनीति पर बातचीत करने वाले हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, यूपी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(एनडीए) के 66 सांसद हैं, जिसमें 2 सांसद अपना दल (एस) के हैं और बाकी बचे 64 सांसद भारतीय जनता पार्टी के हैं। पश्चिम, ब्रज व कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रों के सांसदों के साथ होने वाली बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहने वाले है। बैठक की मेजबानी केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान और बीएल वर्मा करने वाले हैं। वहीं अवध, वाराणसी और गोरखपुर क्षेत्र के सांसदों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहने वाले हैं। इस बैठक की मेजबानी केंद्रीय मंत्री डॉ.महेन्द्र नाथ पांडेय और अनुप्रिया पटेल करेंगी।

बताया जा रहा है कि भाजपा ने यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने का लक्ष्य तय किया है। इन 80 सीटों को जीतने के लिए भाजपा पूरी ताकत का इस्तेमाल करते हुए नजर आ रही है। हाल ही में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सुभासपा शामिल हुई है। यूपी में 14 सीटें पार्टी के कब्जे से बाहर हैं। वहीं पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान, साहब सिंह सैनी सहित विभिन्न दलो के कई नेताओं ने भी भाजपा का दामन थाम कर पार्टी के सामाजिक आधार को व्यापकता दी है। आने वाले दिनों में राजग अपने कुनबे का और विस्तार कर सकता है।

शिवपाल यादव बैठे धरने पर, तब निजी सचिव को पुलिस ने छोड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता शिवपाल यादव के निजी सचिव को चैकिंग के दौरान पुलिस पकड़ कर ले गई, बाद में जब यादव धरने पर बैठे तो उनके निजी सचिव को छोड़ा गया। मिली जानकारी के अनुसार उनके निजी सचिव को गौतमपल्ली थाने की पुलिस ने चेकिंग से भागने पर पीछा कर पकड़ लिया। थाने लाकर भागने की वजह जानने के लिए पूछताछ शुरू की गई। इस बीच मामले की जानकारी पाकर शिवपाल थाने पहुंचे और पुलिस की कार्रवाई के विरोध में धरने पर बैठ गए। आखिरकार पुलिस ने निजी सचिव को छोड़ दिया। इस बीच बड़ी संख्या में थाने पहुंचे सपा कार्यकर्ता ने जमकर नारे भी लगाए। वहीं सपा नेता शिवपाल यादव ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे निजी सचिव की गाड़ी में असलहा रखकर गिरफ्तार किया गया। बता दें कि गौतमपल्ली थाने के पास विक्रमादित्य मार्ग पर पुलिस बैरियर लगाकर रूटीन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आई-20 से कार से जा रहे शिवपाल के निजी सचिव अंकुश को पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया। हालांकि अंकुश साइड से गाड़ी निकालते हुए आगे बढ़ गए। शक के आधार पर पुलिस ने पीछा किया। आगे दिलकुशा क्रॉसिंग बंद होने से रुके अंकुश को पुलिस गाड़ी समेत थाने लाई। कागजात चेक करने के साथ ही पूछताछ शुरू की गई।

इस बीच जानकारी पर शिवपाल थाने पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। इस बीच पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और अंकुश को छोड़ दिया गया। वहीं, जानकारी पर जुटे सपा कार्यकर्ताओं ने थाने के सामने नारेबाजी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि थाने से निकलकर शिवपाल ने सीधे पूर्व सीएम अखिलेश यादव के आवास पहुंच मुलाकात की। पूरे मामले में डीसीपी सेंट्रल अपर्णा रजत कौशिक का कहना है कि कार सवार को रोकना रूटीन चेकिंग का हिस्सा था। पुलिस पर लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत हैं। शिवपाल यादव ने कहा कि मेरा निजी सचिव कार्यालय से घर जा रहा था।

सीमा हैदर के बयानों से जांच एजेंसियां संतुष्ट नहीं, ढूंढ रहीं कराची कनेक्शन

-जांच में मिली नई थ्योरी, बयानों में विरोधाभास के चलते गहराया जासूसी का शक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जांच एजेंसियों को सीमा हैदर पर जासूसी का शक गहराता जा रहा है, उसके विरोधाभासी बयानो को इसकी वजह बतायी जा रही है। अब उसका कराची कनेक्शन भी जांच को एक नयी दिशा में ले जा रहा है। पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत आई सीमा हैदर को लेकर जांच एजेंसियों की पड़ताल अभी भी जारी है। जांच एजेंसियां सीमा हैदर का कराची कनेक्शन ढूंढने में जुटी हुई हैं। सीमा हैदर पर लगातार जासूसी का शक बना हुआ है। इसके चलते उससे पूछताछ चल रही है। हाल ही में की गई पूछताथ में सीमा हैदर ने बताया था कि वो अपने पति गुलाम हैदर के बिना तकरीबन साढ़े चार साल तक रही थी। वहीं अब सीमा के दिए गए इस बयान से पूरे मामले में नई थ्योरी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय जांच एजेंसियों को सीमा हैदर के कुछ जवाब लगातार उलझा रहे हैं। एजेंसियां सीमा हैदर का कराची कनेक्शन तलाशने में जुटी हुई हैं। क्योंकि सीमा हैदर ने पाकिस्तान के कई अलग-अलग इलाकों में रहने की जानकारी एजेंसियों को दी थी। लेकिन एजेंसियों को अहम

जानकारी मिली कि सीमा हैदर पिछले काफी समय से सिंध प्रांत की राजधानी कराची में रह रही थी, जो पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर भी है और आबादी भी सबसे ज्यादा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान का सबसे ज्यादा हवाई ट्रैवल यहीं से होता है और वहीं से सीमा ने भी भारत आने का प्लान बनाया था। अब एजेंसियां ये पता लगा रही हैं कि सीमा हैदर कराची में किस जगह और किसके साथ रहती थी।

दरअसल सीमा हैदर के पति गुलाम हैदर के दावे के मुताबिक पहले कराची में टाइल्स लगाने का काम करता था और उसके बाद साल 2019 में वो सऊदी अरब चला गया। उसके बाद सीमा हैदर कराची से कई जगह गई थी, जिसका पता एजेंसियों को लगाना है। क्योंकि जो बयान सीमा ने अब तक जांच एजेंसियों को दिया है उससे एजेंसियां संतुष्ट नहीं हैं। सीमा से अब उसके पाकिस्तान में सिंध प्रांत और कराची से जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। वहीं कराची में किसके संपर्क में वह रही थी। सीमा पर शक इसलिए गहरा रहा है क्योंकि कराची में वो गुलाम हैदर के बिना तकरीबन साढ़े 4 साल रही है और क्या कहीं सीमा आईएसआई का प्लांट तो नही है। ये शक शुरुआत से एजेंसियों को है और इसी लाइन पर जांच भी चल रही है।

गौरतलब है कि सीमा हैदर जब पाकिस्तान से दुबई होते हुए नेपाल पहुंची थी तो उसके दावे के मुताबिक़ उस वक्त वह कराची में काफी दिन रही थी। जबकि सीमा हैदर का मायका और ससुराल दोनों सिंध प्रांत में ही है फिर बिना गुलाम हैदर के वो कराची में किसके साथ थी? यही सवाल बार-बार जांच एजेंसियों को कचोट रहा है और सीमा से एजेंसियां इस सवाल का जवाब तलाश रही हैं। हालांकि अब तक सीमा हैदर ने एजेंसियों को कराची में रहने की गोलमोल जानकारी ही दी है।

शी जिनपिंग और पीएम मोदी के बीच हुई बातचीत का सरकार ने किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जी20 सम्मेलन में एक डिनर के दौरान शी जिनपिंग व पीएम मोदी के बीच हुई बातचीत का सरकार ने खुलासा किया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पिछले साल बाली में जी20 शिखर सम्मेलन में एक डिनर भोज के दौरान एक-दूसरे का अभिवादन स्वीकार किया और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर बनाए रखने की आवश्यकता पर बातचीत की थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने जोहानिसबर्ग में दो दिन पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल तथा शीर्ष चीनी राजनयिक वांग यी के बीच बैठक के बाद दावा किया था कि राष्ट्रपति शी और पीएम मोदी पिछले साल नवंबर में हुए जी20 शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर बनाने पर महत्वपूर्ण आम सहमति पर पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि पिछले साल बाली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित डिनर के अंत में एक-दूसरे का अभिवादन स्वीकार किया और हमारे द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने की आवश्यकता पर बात की थी। यह मई 2020 में भारत-चीन सीमा पर उत्पन्न गतिरोध के बाद से दोनों नेताओं की पहली बार सार्वजनिक मुलाकात थी। उन्होंने कहा ?कि जैसा कि आप जानते हैं कि हमने दृढ़तापूर्वक कहा है कि पूरे मुद्दे के समाधान की कुंजी भारत-चीन सीमा के पश्चिमी सेक्टर पर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति को हल करना तथा सीमावर्ती इलाकों में शांति बहाल करना है।

सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने 24 जुलाई को जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक से इतर वांग से मुलाकात की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या चीन के राष्ट्रपति दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, इस पर बागची ने कहा कि भारत सभी आमंत्रित नेताओं की भागीदारी के साथ इसकी सफलता के लिए सभी प्रयास और तैयारियां कर रहा है। अफ्रीकी संघ को जी20 का स्थायी सदस्य बनाने के भारत के प्रस्ताव पर उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह होगा। इस मामले पर कुछ भी ठोस कहना जल्दबाजी होगा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा इस प्रस्ताव का कथित तौर पर समर्थन किए जाने संबंधी खबरों के

बारे में बागची ने कहा कि उन्होंने ऐसी टिप्पणियां नहीं देखी है, लेकिन अगर रूस ने समर्थन किया है, तो यह अच्छा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

1.45 करोड़ का लोगों को चूना लगाकर विदेश भागी महिला अपनी एफडी कैश कराने आई तो धरी गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आणंद, करमसद के लोगों को रु 1.45 करोड़ से अधिक रकम का चूना लगाकर एक परिवार विदेश भाग गया था। इस परिवार की महिला उस वक्त पकड़ी गई, जब वह वल्लभ विद्यानगर की वीवीसी बैंक में अपनी एफडी कैश कराने आई थी। करमसद के लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने महिला समेत उसके परिवार के खिलाफ रु 1.45 अधिक रकम की ठगी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक आणंद जिले के करमसद में रहनेवाले रमेशचंद्र पंडित ने कुछ वर्ष पहले कृष्ण फाइनांस नामक फर्म शुरू कर स्थानीय लोगों का विश्वास संपादित किया और ऊंचा ब्याज दर की लालच देकर उनके रूपए अपनी फर्म में निवेश करवाए। ग्रामीणों में रमेशचंद्र पर भरोसा कर अपने जीवनभर की कमाई उनकी फर्म में जमा करवा दी। वर्ष 2020 में कोरोना से रमेशचंद्र की मौत हो गई। जिसके बाद रमेशचंद्र

की पत्नी कोकिला, पुत्र मनीष उर्फ मुकुंद, पुत्री देवांगी निशांत भट्ट और विनीता धवल पंडित ने कृष्ण फाइनांस फर्म का कारोबार अपने हाथ में ले लिया और निवेश करनेवाले लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी रकम सूद समेत लौटाएंगे। लेकिन कुछ समय बाद फाइनांस फर्म बंद कर दी गई और पूरा परिवार विदेश भाग गया। दो दिन पहले कोकिला पंडित आणंद के वल्लभ विद्यानगर की वीवीसी बैंक में अपनी एफडी कैश कराने आई थी। इसकी भनक निवेशकों को लग गई और वह बैंक पर जमा हो गए और हंगामा करने लगे। खबर मिलते ही वल्लभ विद्यानगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और कोकिला पंडित को थाने ले गई। पुलिस थाने में लोगों ने कोकिला पंडित के खिलाफ ठगी का केस दर्ज करने और वह विदेश ना भाग जाए इसके लिए उसका पासपोर्ट जब्त करने की मांग की। पुलिस ने प्रणवकुमार पटेल की शिकायत के आधार पर कोकिला रमेशचंद्र पंडित और उनके परिवार के मनीष उर्फ मुकुंद, देवांगी निशांत भट्ट, विनिता धवल पंडित समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरूकी है।

एक ही परिवार के 5 लोगों को लगा बिजली करंट,एक की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पाटन,पाटन जिले से बड़ी घटना सामने आई है, जिसमें एक परिवार के पांच लोगों को बिजली का करंट लगा। इस घटना में 1 व्यक्ति की मौत हो गई। घायलों को राधनपुर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना पाटन जिले की राधनपुर तहसील के सुरका गांव की है। सुरका गांव के पूर्व सरपंच वीरचंदजी ठाकोर की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। जबकि उनकी पत्नी, पुत्रवधु, पुत्री और पौत्र घायल हो गया। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक बिजली की स्वीच चालू करते वक्त यह घटना हुई। घायलों को राधनपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रेफरल अस्पताल मं भेजा गया है। पूर्व सरपंच की मौत से पूरे गांव में शोक व्याप्त है।

फॉरेन करेंसी की हेराफेरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, 19.92 लाख की विदेशी करंसी बरामद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, फॉरेन करेंसी के हेराफेरी के मामले में सूरत पुलिस ने तीन शख्सों को गिरफ्तार कर उनके पास से रु 19.92 लाख की विदेशी करेंसी बरामद की है। पकड़े आरोपियों से मिली जानकार के आधार पर पुलिस को आशंका है कि इस मामले में कई और लोग भी संलिप्त है। जानकारी के मुताबिक सूरत पीसीबी को सूचना मिली थी कि शहर में कुछ शख्स गैरकानूनी रूप से विदेशी करेंसी की हेराफेरी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने सूरत के महिधरपुरा क्षेत्र में नाकोडा नाम से मनी चैंजर का काम करने वाले नीरव शाह, सूरज राजपूत और मनोज बारिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से साउदी अरब के 36000 रियाल, 2500 ऑस्ट्रेलियान डॉलर, 4900 अमेरिकन डॉलर, यूनाइटेड अरब अमीरात के 205 दिरहम और 10000 मलेशिया की करेंसी भी जब्त कर ली। आरोपियो से बरामद विदेशी करेंसी की कीमत रु1992546 होती है। नीरव के साथ पकड़े गए सूरज और मनोज अलग अलग लोगों से विदेशी करेंसी प्राप्त करते थे। नीरव शाह विदेशी करेंसी बदलने की एन्ट्री अपने बैंक खाते में बतानी नहीं पड़े, इसके लिए ब्लैक में फॉरेन करेंसी कम कीमत में बदल देता था। पकड़े गए आरोपी कितने समय से यह रैकेट चला रहे थे, इस बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है। विदेशी करेंसी का मामला होने की वजह से पुलिस ने ईडी को भी इसकी जानकारी दे दी है।

दक्षिण गुजरात में तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर, लोग स्थानांतरण करने को मजबूर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से फिर एक बार हालात बिगड़ने लगे हैं। तेज बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं। दूसरी ओर

आगामी 24 घंटों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण गुजरात के खासकर सूरत, वलसाड और नवसारी में भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। वलसाड और नवसारी के कई इलाके भारी बारिश की वजह से जलमग्न हो गए हैं। जिसे देखते हुए आज स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। सूरत जिले के ग्रामीण इलाकों में देर रात भारी बारिश हुई। सूरत जिले के बारडोली और महुवा में मूशलाधार बारिश हुई। भारी बारिश के चलते बारडोली में 24 लोगों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक बारडोली में 24 घंटों के भीतर 8 ईंच बारिश होने से अंडरपास में पानी भर गया। भारी बारिश को देखते हुए बारडोली और महुवा की स्कूलों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। बारडोली की मींढोळा नदी में बाढ़ से हालात हैं। भारी बारिश की वजह से बारडोली कोर्ट के सामने निचले इलाकों में पानी भर गया है। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में तेज बारिश ने हाहाकार मचा रखा है। भारी बारिश की वजह से नदी-नाले छलक गए हैं। औरंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया है। जिसकी वजह से नदी किनारे के क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। हालात को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। पिछले 24 घंटों में वलसाड के कपराडा में 7.4 ईंच, उमरगाम में 6.8 ईंच, वापी में 4 ईंच, वलसाड में 3.4 ईंच, पारडी में 2.4 ईंच, धरमपुर में 2.2 ईंच बारिश हुई है। भारी बारिश की वजह से नवसारी जिला भी परेशान है। नवसारी में पूर्णा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, जिसकी वजह से कई निचले इलाकों में पानी भर गया है।

जिसकी वजह से शहर के 2500 प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। इन प्रभावितों के लिए नगर पालिका ने फूड पैकेट की व्यवस्था की है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com